दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

jaipurtimes.org
twitter.com/JaipurTimes2
dainikjaipurtimes
youtube.com/c/JaipurTimes
instagram.com/jaipurtimesjt

वर्ष : 10 अंक : 74 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, सोमवार 7 अप्रैल, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 1.5 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

गृह मंत्री अमित शाह और सीएम भजनलाल ने किए बाबा बालनाथ के दर्शन

आध्यात्मिक परंपरा और संत महात्माओं के योगदान से देश को मिल रही नई दिशाः शाह

समाज को जोड़ने, पर्यावरण संरक्षण और सनातन संस्कृति के उत्थान का बना साक्षी स्थल

जयपुर टाइम्स

पावटा (कोटपूतली-बहरोड़)। कोटपूतली जिले के पावटा ग्राम स्थित अहीर की बावड़ी पर एक वर्ष से अनवरत चल रहे 108 कुण्डीय महामृत्युंजय रूद्र महायज्ञ का रविवार को विधिवत समापन हुआ। महायज्ञ की पूर्णाहुति के अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यज्ञशाला पहुंचकर वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूर्णाहुति अर्पित की। इस दौरान पंचमुखी महाकाल मंदिर में महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालु शामिल हुए और समस्त वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठा। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस अवसर पर कहा कि बाबा बस्तीनाथ जी के मार्गदर्शन में आयोजित यह महायज्ञ समाज को जोड़ने, धर्ममय जीवन की प्रेरणा देने और पर्यावरण संरक्षण के लिए एक अनुकरणीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि अनेक लोगों ने बाबा बालनाथ आश्रम में आकर नशामुक्ति की शपथ ली और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का संकल्प लिया। शाह ने बाबा बालनाथ जी के जीवन और उनके आध्यात्मिक योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने देश-विदेश में 84 धूनियों की स्थापना कर मानवता के कल्याण के लिए अद्वितीय कार्य किया। शाह ने नाथ संप्रदाय की परंपरा को सनातन धर्म की शक्ति बताते हुए कहा कि ऐसी तपस्थलियाँ समाज को दिशा देने वाली होती हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'विकास के साथ विरासत' की भावना को साकार कर रहे हैं। उनकी प्रेरणा से राजस्थान सरकार भी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विकास के लिए कार्यरत है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा, काशी विश्वनाथ धाम, उज्जैन में महाकाल महालोक, सोमनाथ और केदारनाथ के पुनर्निर्माण जैसे कार्य भारत की सांस्कृतिक चेतना को फिर से जाग्रत करने वाले हैं। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने धारा 370 हटाने, आंतरिक सुरक्षा को सशक्त करने और सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण भारत को सशक्त बनाने जैसे अनेक कार्यों से देश को नई दिशा दी है। सहकारिता के माध्यम से पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अन्त्योदय के सिद्धांत को साकार किया जा रहा है। इस अवसर पर अमित शाह, मुख्यमंत्री शर्मा और केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने श्री श्री 1008 सिद्ध योगी बाबा बालनाथ जी की समाधि पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और प्रदेश की समृद्धि, शांति व उन्नति की प्रार्थना की। तत्पश्चात उन्होंने बाबा बालनाथ आश्रम की धूणी में दर्शन कर पंचमुखी महाकाल मंदिर में आरती में भाग लिया। महायज्ञ की पूर्णाहुति के बाद विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और पंगत में बैठकर प्रसादी ग्रहण की। श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा कर बाबा बालनाथ महाराज से अमन-चैन की कामना की। कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक व्यवस्थाएं बेहद सुदृढ़ रहीं। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल, आईजी अजय पाल लांबा, एसपी राजन दुष्यंत सहित अन्य पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संभाला। पूरे कार्यक्रम का संचालन गरिमामय और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। इस अवसर पर राजस्व व उपनिवेशन राज्य मंत्री विजय सिंह, सांसद राव राजेन्द्र सिंह, विधायक कुलदीप धनखड़, हंसराज पटेल, देवी सिंह शेखावत, श्री श्री 108 बाबा बस्तीनाथ जी महाराज सहित बड़ी संख्या में संत, जनप्रतिनिधि और श्रद्धालु उपस्थित रहे। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि सामाजिक सौहार्द, समरसता और पर्यावरण चेतना का संदेश भी जन-जन तक पहुंचाने में सफल रहा।

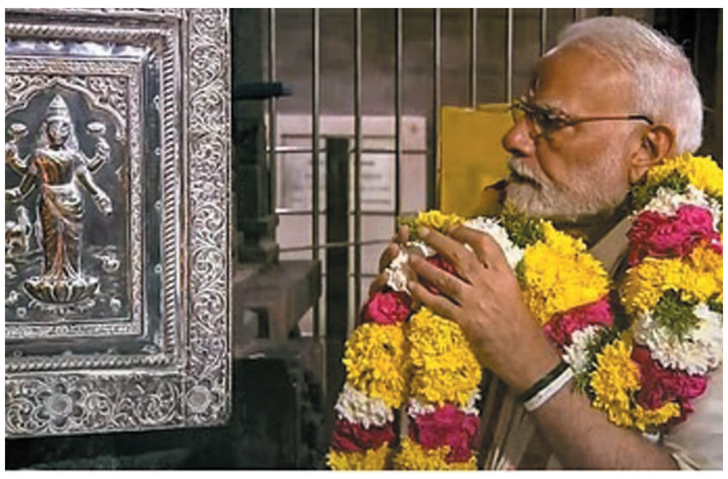

तमिलनाडु को पीएम ने दी 8300 करोड़ की सौगात

श्रीराम का जीवन राष्ट्र निर्माण का बड़ा आधारः मोदी

जयपुर टाइम्स

चेन्नई(एजेंसी.)। तमिलनाडु में प्रधानमंत्री मोदी ने 8300 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला रखी और राष्ट्र को समर्पित किया। इस दौरान उन्होंने एक विशाल जनसभा को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राम नवमी का पावन पर्व है, अब से कुछ समय पूर्व अयोध्या के भव्य राम मंदिर में रामलला का सूर्य की किरणों ने भव्य तिलक किया है। भगवान श्रीराम का जीवन, उनके राज्य से मिलने वाली सुशासन की प्रेरणा राष्ट्र निर्माण का बड़ा आधार है।

उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों में भारत ने अपनी इकोनॉमी का साइज दोगुना किया है। इतनी तेज ग्रोथ का एक बड़ा कारण हमारा शानदार मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर भी है। बीते 10 वर्षों में हमने रेल, रोड, एयरपोर्ट, पानी, पोर्ट, बिजली, गैस पाइप लाइन... ऐसे इंफ्रास्ट्रक्चर का बजट करीब 6 गुना बढ़ाया है।

पीएम मोदी ने कहा कि आज देश में बहुत तेजी से बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम हो रहा है। आप उत्तर में देखेंगे तो जम्मू कश्मीर में दुनिया के सबसे ऊंचे रेल ब्रिज में से एक चिनाब ब्रिज बना है। पश्चिम में जाएंगे तो मुंबई में देश का सबसे लंबा सी ब्रिज अटल सेतु बना है। पूर्व में जाएंगे तो असम के बोगीबील ब्रिज के दर्शन होंगे। दक्षिण में आते हैं तो दुनिया के गिने-चुने वर्टिकल लिफ्ट ब्रिज में से एक पंबन ब्रिज का निर्माण पूरा हुआ है।

विकसित भारत के सफर में तमिलनाडु का बहुत बड़ा रोल

पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत के सफर में तमिलनाडु का बहुत बड़ा रोल है। मैं मानता हूं, तमिलनाडु का सामर्थ्य जितना ज्यादा बढ़ेगा, भारत की ग्रोथ उतनी तेज होगी। बीते दशक में तमिलनाडु के विकास के लिए 2014 की तुलना में तीन गुना ज्यादा पैसा केंद्र सरकार की ओर से दिया गया है। इसके बावजूद भी कुछ लोगों को बिना कारण रोते रहने की आदत है, वो रोते रहते हैं। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले रेल प्रोजेक्ट के लिए हर साल सिर्फ 900 करोड़ रुपये ही मिलते थे। इस वर्ष तमिलनाडु का रेल बजट 6,000 करोड़ रुपये से ज्यादा है और भारत सरकार यहां के 77 रेलवे स्टेशन को मॉडर्न भी बना रही है। इसमें रामेश्वरम का रेलवे स्टेशन भी शामिल है।

दुनिया में भारत के प्रति आकर्षण बढ़ा

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज दुनिया में भारत के प्रति आकर्षण बढ़ा है, लोग भारत को जानना चाहते हैं, भारत को समझना चाहते हैं। इसमें भारत के कल्चर का, हमारी सॉफ्ट पावर का भी बड़ा रोल है। उन्होंने कहा कि आपकी सुरक्षा और भलाई सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। भारत सरकार के समर्पित प्रयासों से पिछले एक दशक में 3,700 से अधिक मछुआरों को श्रीलंका से सफलतापूर्वक वापस लाया गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल ही 600 से अधिक मछुआरों को रिहा किया गया। हमारे कुछ मछुआरों को मृत्युदंड का भी सामना करना पड़ा। हालांकि, हमने देश में उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए निर्णायक कदम उठाए।

हर हिंदुस्तानी का सीना चौड़ा

पीएम मोदी ने कहा कि रामनवमी है, रामेश्वरम की पवित्र भूमि है, तो मेरे लिए कुछ भावुक पल भी है। भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस है। सशक्त, समृद्ध और विकसित भारत के जिस लक्ष्य को लेकर हम चल रहे हैं, उसमें भाजपा के हर एक कार्यकर्ता का परिश्रम है। तीन-तीन, चार-चार पीढ़ियां मां भारती के जय जयकार के लिए खप गई हैं। मेरे लिए गर्व की बात है कि भाजपा के उस विचार ने, भाजपा के लाखों कार्यकर्ताओं के परिश्रम ने आज हमें देश की सेवा का अवसर दिया है। आज देश के लोग भाजपा सरकारों का गुड गर्वनेंस देख रहे हैं, राष्ट्रहित में लिए जा रहे निर्णय देख रहे हैं और

नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति से पहले भाजपा कई राज्यों के नेतृत्व में करेगी बदलाव!

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी.)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की नियुक्ति को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई है। सूत्रों के मुताबिक भाजपा अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की नियुक्ति से पहले आने वाले दिनों में कई प्रमुख राज्यों में अपने अध्यक्षों का चुनाव करने की योजना बना रही है, ताकि नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया को शुरू किया जा सके। पार्टी नेतृत्व उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और कर्नाटक जैसे बड़े राज्यों में जल्दी अध्यक्षों का चुनाव कराना चाहता है, ताकि पिछले साल सितंबर में शुरू हुई सदस्यता अभियान से जुड़ी संगठनात्मक प्रक्रिया पूरी हो सके। भाजपा पार्टी के संविधान के अनुसार, पार्टी को अपनी आधी राज्य इकाइयों में संगठनात्मक चुनाव पूरी करने होते हैं। इसका मतलब है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले कम से कम 19 राज्यों में नए अध्यक्षों का चुनाव होना चाहिए। पार्टी के पास कुल 37 संगठनात्मक राज्य हैं।

पार्टी के सदस्यता अभियान की शुरुआत सितंबर में हुई थी और यह माना जा रहा था कि इस साल जनवरी-फरवरी तक नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव हो जाएगा। लेकिन कई राज्यों में अध्यक्षों के चुनाव में देरी के कारण इस प्रक्रिया में समय लग रहा है। पार्टी इस देरी को अपनी सहयोगी आरएसएस को विश्वास में लेकर और आम

4 माह, 6 दिन चले अढ़ाई कोसःडल्लेवाल ने की भूख हड़ताल समाप्त

जयपुर टाइम्स

फतेहगढ़ साहिब(कासं.)। आखिरकार लम्बे आंदोलन और भूख हड़ताल को किसान नेता डल्लेवाल ने समाप्त कर दिया है। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर दोनों किसान मोर्चे हटाने के विरोध में पंजाब भर में किसान महापंचायतें की जा रही हैं। इसी के तहत फतेहगढ़ साहिब के सरहिंद अनाज मंडी में महापंचायत हुई। इसमें भारतीय किसान यूनियन एकता सिद्धूपुर के प्रदेशाध्यक्ष जगजीत सिंह डल्लेवाल भी पहुंचे। महापंचायत से पहले डल्लेवाल गुरुद्वारा श्रीफतेहगढ़ साहिब पहुंचे। उसके बाद वह अनाज मंडी सरहिंद में पहुंचे जहां पर उन्होंने अपनी 126 दिनों की भूख हड़ताल खत्म करने का एलान किया। डल्लेवाल ने पिछले साल 26 नवंबर को आंदोलनकारी किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर अनशन शुरू किया था। इसके लिए उन्होंने फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानूनी गारंटी देने की मांग की थी। ज्ञात हो कि केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने उनसे आमरण अनशन समाप्त करने की अपील की थी। डल्लेवाल ने पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले के सरहिंद में आयोजित किसान महापंचायत में यह घोषणा की। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि एक तरफ सरकार हमें मीटिंग के लिए बुला रही है और दूसरी तरफ रात को हमारे मोर्चे पर जबरदस्ती एक्शन कर रही है। सरकार ने किसानों के साथ धोखा किया है। सरकार के जुल्म के विरोध में महापंचायत हो रही हैं। जब तक उनकी मांगों को पूरा नहीं किया जाता तब तक आंदोलन जारी रहेगा। किसानों की सभा को संबोधित करते हुए डल्लेवाल ने कहा कि आपने (किसानों) मुझसे आमरण अनशन समाप्त करने को कहा है। आंदोलन की देखभाल के लिए मैं आपका ऋणी हूं। मैं आपकी भावनाओं का सम्मान करता हूं। मैं आपके आदेश को स्वीकार करता हूं। गौरतलब है कि डल्लेवाल संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) के संयुक्त मंच के वरिष्ठ नेता हैं। उन्होंने किसानों की मांगों को स्वीकार करने के लिए केंद्र पर दबाव बनाने के लिए पिछले साल 26 नवंबर को अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की थी। जनवरी में केंद्र द्वारा किसान नेताओं को बातचीत के लिए आमंत्रित करने के बाद डल्लेवाल ने खनौरी विरोध स्थल पर चिकित्सा सहायता लेना शुरू कर दिया, लेकिन अपना अनशन समाप्त नहीं किया। बता दें कि शनिवार को केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने डल्लेवाल से अपनी भूख हड़ताल समाप्त करने की अपील की थी। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, भारत सरकार के प्रतिनिधियों और किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के बीच उनकी मांगों को लेकर चल रही बातचीत जारी है। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल अब अस्पताल से वापस आ गए हैं और हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। हम उनसे अपनी भूख हड़ताल समाप्त करने का भी अनुरोध करते हैं और हम पहले से तय तारीख के अनुसार 4 मई को सुबह 11 बजे किसान संगठनों के प्रतिनिधियों से बातचीत के लिए मिलेंगे।

शनिवार को केंद्रीय मंत्री बिट्टू ने भी इसी तरह की अपील की। ??बिट्टू ने कहा कि आपका स्वास्थ्य अधिक महत्वपूर्ण है, और आपका जीवन पंजाब के लोगों के लिए कीमती है क्योंकि किसानों और खेत मजदूरों के संघर्ष के लिए आपके नेतृत्व की हमेशा जरूरत रहेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के सभी मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं ने लोकसभा सत्र के दौरान डल्लेवाल के बारे में पूछताछ की और उनकी भलाई के लिए शुभकामनाएं दीं। मंत्री ने डल्लेवाल से अपनी भूख हड़ताल समाप्त करने और केंद्र सरकार के साथ चर्चा के लिए आगे आने की अपील की।

भाजपा-कांग्रेस दे रही संगठन की मजबूती पर जोर, कांग्रेस कर रही दुरुस्त तो भाजपा दे रही नसीहत

भाजपा स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

काम न करने वालों के मरोड़े कानः मदन राठौड़

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। भारतीय जनता पार्टी के 46 वें स्थापना दिवस पर प्रदेश बीजेपी कार्यालय में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पार्टी का ध्वज फहराया और 'विकास गाथा' प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि बीजेपी ने जनता के दिलों में जगह बनाई है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि जनता जो पार्टी काम करे उसे धन्यवाद दे और जो पार्टी काम न करे उसके कान मरोड़े।÷ राठौड़ ने यह भी कहा कि पार्टी का उद्देश्य जनता से जुड़ाव बढ़ाना और राष्ट्रवाद की भावना को मजबूत करना है। राठौड़ ने बताया कि स्थापना दिवस पर प्रत्येक बूथ पर समिति के सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। इन सम्मेलनों के जरिए कार्यकर्ताओं को पार्टी की संघर्ष गाथा से अवगत कराया जा रहा है और घर-घर जाकर योजनाओं की जानकारी दी जा रही है।इस बार स्थापना दिवस का खास संयोग रामनवमी के दिन के साथ जुड़ा हुआ था, जिस पर राठौड़ ने इसे दोगुनी खुशी का अवसर बताया और प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पार्टी का संगठन मजबूत है और लक्ष्य है कि प्रदेश और देश में बीजेपी की सरकारें निरंतर बनी रहें। राठौड़ ने वक्फ संशोधन बिल पर राष्ट्रपति की मुहर को लेकर भी प्रतिक्रिया दी और इसे मुस्लिम समाज के हित में बताया। उन्होंने कहा कि अब वक्फ की संपत्तियों से अतिक्रमण हटाया जाएगा और गरीब मुस्लिम समाज को इसका लाभ मिलेगा। राहुल गांधी के क्रिश्चियन समुदाय से जुड़े बयान पर पलटवार करते हुए राठौड़ ने कहा कि बीजेपी को किसी की जमीन की जरूरत नहीं है, बल्कि सभी समुदायों के उत्थान की सोच के साथ काम किया जा रहा है।

'हाथ' को मजबूत बनाने की कवायदः

तीन बैठकों में अनुपस्थित रहे तो होगी पार्टी से छुट्टी!

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी.)। अहमदाबाद में होने वाली एआईसीसी बैठक से पहले कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने रणनीति पर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी में पीढ़ीगत बदलाव चल रहा है, युवा नेता जिम्मेदारियां निभा रहे हैं. भविष्य में जवाबदेही और विचारधारा को मजबूत करना प्राथमिकता होगी। पायलट ने बताया कि गुजरात में होने वाली एआईसीसी की बैठक अहम है। यह राज्य में पार्टी को मजबूत करने और पुरानी शक्ति बहाल करने का मौका है। लोकसभा चुनाव के बाद कुछ राज्य हारे, लेकिन लड़ने का जज्बा बरकरार है। उन्होंने पार्टी के भीतर पीढ़ीगत बदलाव पर कहा कि यह रातोंरात नहीं होता। पिछड़े, युवा, महिलाएं, एससी/एसटी और अल्पसंख्यकों को प्रतिनिधित्व देना जरूरी है। उदयपुर चिंतन शिविर के दौरान हुए घोषणा के तहत नियुक्तियों में युवाओं को मौका मिल रहा है। पायलट ने कहा कि बेलगावी सम्मेलन में 2025 को संगठन सशक्तिकरण का साल घोषित किया गया। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और प्रियंका गांधी पार्टी को मजबूत करने में जुटे हैं। 2025 में विचारधारा मजबूत होगी, जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। उन्होंने पार्टी के भीतर नेता की जवाबदेही पर भी जोर दिया। साथ ही कहा कि राजस्थान में 3 बैठक में अनुपस्थित रहने वाले पदाधिकारी हटाए जाएंगे और उनके परफॉर्मेंस की भी समीक्षा होगी। कांग्रेस नेता ने बताया कि जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों की भूमिका बढ़ेगी। चुनाव, वित्त प्रबंधन और उम्मीदवार चयन में उनकी भागीदारी होगी।

राजधानी जयपुर टाइम्स

जयपुर, सोमवार
07 अप्रेल, 2025

गर्लफ्रेंड से मिलने आये युवक की हत्या, पोल से बांधकर पीटा, डंडे बरसाए

जयपुर टाइम्स

रैणी(नि.सं.)। रैणी क्षेत्र मे गर्लफ्रेंड से मिलने आये युवक की पोल से बांधकर पिटाई कर दी जिससे उसकी हालत ख़राब हो गयी युवक के रिश्तेदारों ने बचाया उसके बाद क्षेत्रीय अस्पताल ले गए जहा से अलवर और अलवर से जयपुर रेफर कर दिया जहाँ युवक की शनिवार को मौत हो गयी परिजनों ने बतया की युवक 31 मार्च को युवक एक लड़की से मिलने उसके घर चला गया जहाँ युवती के घर वालो ने युवक को पकड़ लिया और पोल से बांधकर बेरहमी से मारपीट की जिसका वीडियो भी सामने आया है वही मारपीट से युवक का शरीर लाल पड़ गया था युवक के चाचा ने थाने मे मामला दर्ज कराया है पुलिस जांच कर रही है

श्रद्धा के साथ मनाया रामनवमी का पर्व, तीन दिवसीय धार्मिक आयोजन का हुआ समापन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। त्रिपोलेश्वर शिव शक्ति सेवा समिति के तत्वाधान में रामनवमी का महोत्सव बड़ी श्रद्धा से मनाया गया इसी के साथ तीन दिवसीय धार्मिक का आयोजन का समापन हुआ। समिति के अध्यक्ष महंत जितेंद्र खेड़ापति ने बताया कि रामनवमी को त्रिपोलेश्वर महादेव में स्थापित

राम दरबार में सुबह सवा ग्यारह बजे भगवान राम का अभिषेक व आरती हुई।इसके पश्चात मथुराधीश मंदिर में कन्या एवं ब्राह्मण पूजा व प्रसाद वितरण का कार्यक्रम किया गया। समिति अध्यक्ष महंत जितेंद्र खेड़ापति ने बताया कि अष्टमी से शुरू हुए रामायण पाठ का समापन किया गया। इसके बाद चौकी पूजन हुआ। यज्ञ की पूर्ण आहुति के बाद कन्या एवं ब्राह्मण पूजा के साथ भंडारा प्रसादी एवं हलवे छोले का प्रसाद वितरण किया। इसमें 71 कन्याओं का पूजन किया गया। इसके बाद मथुराधीश मंदिर में शाम 4 से 6 बजे तक महिला भक्त मंडल द्वारा सत्संग किया गया सत्संग के बाद महाआरती की गई।

भगवान जगन्नाथ मेला कमेटी की बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। भगवान जगन्नाथ मेला कमेटी की बैठक रविवार को मंदिर प्रांगण में आयोजित हुई। जिसमें आगामी भगवान जगन्नाथ जी के मेले की तैयारी के बारे में विस्तार से चर्चा की गई तथा क्या-क्या नवाचार हो सकते हैं। उस पर चर्चा की गई इस अवसर पर भगवान जगन्नाथ मेंला

2025 का पोस्टर विमोचन कार्य करने सहित विभिन्न चर्चा की।

नवरात्र समापन पर नवमी पर हुआ आयोजनः

श्री सत्यनारायण भगवान के मंदिर में देखी ज्योत ओर कन्याओं को कराया भोजन लिया आशीर्वाद

जयपुर टाइम्स

अवलर(नि.सं.)। शहर के दिल्ली दरवाजा बाहर स्थित श्री श्री 1008 श्री सत्यनारायण भगवान के मंदिर में नवरात्रि के समापन पर रविवार को मां दुर्गा माता की ज्योत देखकर कन्याओं को भोजन कराया। पंडित धर्मेंद्र नारायण शर्मा ने बताया कि चैत्र माह के नवरात्र में माता के 9 रूपों का पूजन किया जाता है। वही नवमी वाले दिन मां दुर्गा माता की घर घर में

ज्योत देखी जाती है। इसी आयोजन के दौरान दिल्ली दरवाजा बाहर स्थित भगवान श्री सत्यनारायण जी के मंदिर में भी नवरात्र मनाए गए। जहां रविवार को नवरात्र के समापन पर मंदिर में माता की ज्योत देखी गई ओर कन्याओं को भोजन कराया गया। जहां पहले कन्याओं का पूजन किया ओर उन्हें प्रेम से भोजन कराया। इसके बाद उनके चरणों की वंदना की ओर प्रसादी तथा दक्षिणा देकर विदा किया गया। इसके बाद अन्य भक्तों को भी प्रसाद वितरित किया गया। इस माके पर मंदिर में महिलाओं द्वारा माता के भजन गाए गए ओर आरती की गई।

भगवान श्री लक्ष्मी नारायण जी के मंदिर का स्थापना दिवस समारोह किया आयोजित

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। श्री अग्रवाल महासभा अलवर द्वारा संचालित नया बास स्थित श्री अग्रवाल छात्रावास परिसर में श्री लक्ष्मी नारायण जी के मंदिर के स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम 10ः30 बजे भगवान का अभिषेक 11ः15 बजे हनुमान चालीसा का पाठ एवं 12ः00 बजे भव्य श्रृंगार व महा आरती की गई। मंदिर के पुजारी बंशीधर शर्मा ने सभी को प्रसाद एवं आशीर्वाद प्रदान

किया। इसके उपरांत छात्रावास परिसर में एक हॉल का नवीनीकरण कर उस का उद्घाटन किया गया जिसका नामकरण मां माधवी हाल के नाम से किया गया। समाज के विभिन्न कार्यक्रमो एवं महिला मंडल के कार्यक्रमों हेतु इस हाल को सुसज्जित कर वाताकुलित बनाया गया है, हॉल का लोकार्पण मंजू चौधरी (अग्रवाल) प्रमुख समाज सेविका के द्वारा किया गया। इस अवसर पर अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष अमित गोयल, मंत्री सुरेश अग्रवाल, पदम अग्रवाल, छात्रावास सयोजक राकेश बंसल, प्रोफेसर रमेश अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष देवेन्द्र गर्ग, दक्षिणी इकाई अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, प्रमोद गुप्ता सचिन सिंघल, अखिलेश गर्ग, रिंकेश जिंदल, दिलीप सिंघल, गोविंद गोयल, शिव अग्रवाल, विष्णु अग्रवाल, अशोक गोयल, दिनेश गोयल, वीणा, अरुण अग्रवाल, रमेश गुप्ता आदि बड़ी संख्या में अग्रवाल समाज के बंधुवर एकत्रित थे।

भगवान श्री राम का जीवन चरित्र बंधुता व जीवमात्र की सेवा करने का संदेश देता है- केन्द्रीय वन मंत्री यादव

केंद्रीय वन मंत्री यादव एवं वन राज्यमंत्री शर्मा ने अपना घर शालीमार सोसाइटी में बने श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठ कार्यक्रम में शिरकत कर भव्य श्रीराम मंदिर को किया लोकार्पित

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेन्द्र यादव व पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने रविवार को श्रीराम नवमी के अवसर पर अलवर शहर के टेल्को चौराहे के समीप अपना घर शालीमार रेजिडेंसी में आयोजित श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में शिरकत कर समिति द्वारा करीब 5 बीघा में बनाए गए श्रीराम मंदिर का फीता काटकर लोकार्पित किया।केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने जिलेवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीराम मर्यादा एवं धर्मपरायणता के प्रतीक हैं। भगवान श्रीराम का जीवन चरित्रा बंधुता व जीवमात्र की सेवा करने का संदेश

देता है। उन्होंने कहा कि यह भव्य मंदिर सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में बनाया गया है। यहां सभी सुविधाओं का ध्यान रखा गया है चाहे सामाजिक कार्य हो, पारिवारिक कार्य हो या वैदिक पद्धति से विवाह के कार्यक्रम हो यहां सभी सुविधाओं का पूरा ध्यान रखते हुए मंदिर का निर्माण किया गया है। मंदिर निर्माण के लिए केंद्रीय मंत्री यादव ने निर्माण कर्ताओं का आभार व्यक्त किया। वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने कहा कि रामनवमी के त्योहार सनातन संस्कृति में सदियों से महत्व रहा है। यह त्योहार चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी को मनाया जाता है। हमारे शास्त्रों के अनुसार इस दिन मर्यादा-पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम जी का जन्म हुआ।

पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की ः केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव एवं वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने इस दौरान भगवान श्रीराम की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख सुविधा समृद्धि एवं खुशहाली कामना की। इस दौरान जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर, पूर्व मंत्री हेमसिंह भडाणा, पूर्व विधायक जयराम जाटव, बन्नाराम मीणा, राजेन्द्र कसाणा, हर्ष त्रेहान, रेनू त्रेहान, अशोक सैनी, रजनी सैनी, यशपाल इकदया, अशोक वर्मा, विवेक प्रधान सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बडी संख्या में श्रृद्धालु मौजूद रहे।

अपनाघर शालीमार भूमि पर भगवान श्रीराम प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव

नेता प्रतिपक्ष जूली ने भी भगवान श्रीराम जी के मंदिर पहुंचकर लिया आशीर्वाद, की सभी के लिए खुशहाली की कामना

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने रामनवमी के पावन पर्व पर भगवान श्रीराम जी के जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एक भगवान श्रीराम की प्रतिमा-प्राण प्रतिष्ठा ऐतिहासिक काम है क्योंकि धर्म की जड़ सदा हरी रही है जो सब लोगों को जोड़ के रखती है विशेष रूप से भगवान श्रीराम का जो चरित्र है वह पूरी दुनिया को एक सही रास्ता दिखाने वाला है कि एक पुत्र का जीवन में किस तरह आचरण होना चाहिए, अपने माता-पिता के प्रति कैसे कर्तव्य होना चाहिए वह साबित करके दिखाया। जूली ने भगवान श्रीराम प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में पहुंचकर प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद लिया। जूली ने रविवार को अपनाघर शालीमार परिवार एवं त्रेहान सेवा भारती चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित भगवान श्रीराम प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव श्रीराम मंदिर अपना घर शालीमार में पहुंचकर प्रदेश की खुशहाली की कामना। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम असत्य पर विजय, अधर्म पर धर्म की जीत का एक साक्षात सत्य सामने है कि जहां भगवान श्रीराम का मंदिर अलवर में बनाया गया और पूरे मन विश्वास और आस्था के साथ भगवान श्रीराम

के मंदिर का निर्माण कराया गया है। उन्होंने मजदूरों, कारीगरों और आर्किटेक्ट को धन्यवाद देते हुए कहा कि जिन्होंने एक-एक चीज पर बारीकी से काम किया उन सबका योगदान सराहनीय है।

भाजपा का स्थापना दिवस मनाया

जयपुर टाइम्स

राजगढ़(नि.सं.)।भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा रविवार को जैन नसिया प्रागण में भाजपा का 46 वा स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया इस दौरान पूर्व चेयरमैन प्रभु दयाल शर्मा ने पार्टी के इतिहास का वर्णन किया पूर्व मंडल अध्यक्ष कन्हैया लाल सैनी ने आगामी नगरपालिका चुनाव में पार्टी को मजबूत करने पर जोर दिया वही ठिकाना गंगा बाग के महंत प्रकाशदास ने भाजपा के अब तक के इतिहास पर प्रकाश डाला इस अवसर पर राजेन्द्र जैन,तुलसी शर्मा, अभिषेक, सुखराम, सुरेश तांबी, ओमप्रकाश, गिर्राज, आदि मौजूद रहे

ग्रामीणों ने प्रशासन को चेताया ओर सौंपा एसडीएम को ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। ग्राम मौजपुर वासियों ने रविवार को नगरपालिका लक्ष्मणगढ़ में से मौजपुर कस्बे को हटाने के विरोध में बस स्टैण्ड के पास एक मीटिंग का आयोजन बाघ सिंह की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें मुख्यवक्ता कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा थे।कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने मीटिंग में कहा कि 4 वर्ष पूर्व लक्ष्मणगढ़ नगरपालिका का गठन कांग्रेस सरकार ने मौजपुर कस्बे को शामिल करते हुए किया गया था, लेकिन कुछ स्वार्थी लोगों ने राजनीतिक दुर्भावना से मौजपुर गांव जिसकी राजस्व सीमा लक्ष्मणगढ़ के एक किलोमीटर से शुरू होती है। उसको गलत तथ्यो से पेश कर

मौजपुर की दूरी लक्ष्मणगढ़ से 8 किमी दिखा दिया है। जबकि लक्ष्मणगढ़ का बीएसएनएल ऑफिस, अनुसूचित जाति छात्रावास, पुलिस थाना, रेफरल हॉस्पिटल, लक्ष्मणगढ़ डिग्री कॉलेज आदि मौजपुर की राजस्व सीमा में बने हुए हैं। मीटिंग में तय किया गया अगर मौजपुर को राजनीतिक द्वेश के चलते नगरपालिका से बाहर किया गया तो मौजपुरवासी सड़क से सदन तक आंदोलन करेंगे और जो भी लोग इस षडयंत्र में शामिल पाए जाएंगे उनका सामाजिक एवं राजनीतिक बहिष्कार किया जायेगा।

जिला कांग्रेस कमेटी अलवर प्रवक्ता रिपुदमन गुप्ता ने बताया कि मीटिंग के पश्चात विधायक मांगेलाल मीणा एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा के नेतृत्व में संघर्ष समिति के सदस्यों एवं मोजपुरवासियो ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा।

मीटिंग में योगेश मिश्रा, ब्लॉक अध्यक्ष शिवसहाय मीणा, नवीन शर्मा, पूर्व सरपंच रामेश्वर जैन, रिपुदमन गुप्ता, संजीव कटारा, नुरुद्दीन खान, जखावत खान,इकबाल खान, रघुवर दयाल सैनी, श मी खान फौजी, हारुन खान, सोहराब खान, ब्रह्मानंद जैमन, सुभाष चन्द्र शर्मा, महेंद्र दीक्षित, गुरगन सेन, पूरण हरिजन, राम सिंह सैनी, मन्नू लाल सैनी, सोनू वर्मा तथा सैकड़ों की सं या में ग्रामीण महिला एवं पुरुष मौजूद रहे।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में मरीजों ने उठाया चिकित्सा उपचार परामर्श का लाभ

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। नेक कमाई फाउंडेशन की ओर से मेदांता गुरुग्राम के सहयोग से रिवाज रिसोर्ट्स में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। जिसमें 315 मरीजों की जांच हुई और उन्हें चिकित्सा परामर्श दिया गया। शिविर में ईसीजी, एक्स-रे, हडिडयों की कैपेसिटी सहित कई जांच हुई।

शिविर की शुरुआत संरक्षक दौलत राम हजरती, मुख्य कॉर्डिनेटर अभिषेक तनेजा, पुरुषार्थी धर्मशाला समिति के अध्यक्ष प्रेम गांधी और अभिकृति फाउंडेशन के फाउंडर शानू गुप्ता ने द्वीप प्रज्वलित करके किया।

चिकित्सकों और सेवा कार्यों में लगी टीम का सम्मान पूर्व सभापति अजय अग्रवाल, सतीश भाटिया और समाजसेवी परमजीत सिंह गोगिया, गुरप्रीत सिंह पवित्र, कमला यादव, सोनिका अरोड़ा, सुनील जैन और प्रतिभा सिंह ने किया। संचालन निष्ठा नारंग ने किया।शिविर में मुख्य सहयोग अभिकृति की टीम का रहा जिन्होंने शानू गुप्ता के नेतृत्व में अपनी सेवाएं दी। जिनमें आदित्य जैन, गर्वित गुप्ता और कुलदीप सैनी थे। इस अवसर पर सेवा कार्यों के लिए कई समाजसेवियों और मेदांता की टीम को सम्मानित किया गया। शिविर में पंकज अग्रवाल, टिल्लू खंडेलवाल, सुनील जैन, सुजीत कुमार, ज्योति शर्मा, अनिल वर्मा, बलदेव आदि उपस्थित थे। अंत में शिविर संयोजक दौलत राम हजरती और मेदांता की ओर से राजीव शुक्ला ने अलवर वासियों का आभार जताया। मुख्य कोऑर्डिनेटर अभिषेक तनेजा ने बताया कि इस शिविर की सफलता को देखते हुए आगामी 21 जून को गुलशन भाटिया की स्मृति में सभी बीमारियों की जांच का एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया जाएगा।

जिला स्तरीय यूथ बालक - बालिका वर्ग की बॉक्सिंग ट्रायल 9 अप्रैल को

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। जिला स्तरीय यूथ बालक बालिका वर्ग की बॉक्सिंग ट्रायल 9 अप्रैल को इंदिरा गांधी स्टेडियम में होगी। प्रातः 6ः00 बजे से 7-00 बजे वजन एवं मेडिकल की प्रक्रिया की जाएगी एवं यथा समय ट्रायल प्रारंभ की जावेगी। बालक और बालिका वर्ग के श्रेष्ठ पांच मुक्केबाजों को ही राज्य स्तरीय ट्रायल हेतु भेजा जाएगा।

अलवर जिला बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष दिनेश भार्गव ने बताया कि ट्रायल में 2007 एवम् 2008 तक जन्मे बालक एवं बालिका ही भाग ले सकेंगे। ट्रायल में भाग लेने के लिए जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, मूल निवास, शिक्षण संस्थान की अंक तालिका की मूल कॉपी एवं फोटो कॉपी के साथ एक फोटो लाना अनिवार्य होगा। भाग लेने वाले प्रतिभागियों के दस्तावेजों की जांच हेतु एक कमेटी बनाई गई है। कमेटी की जांच के बाद ही प्रतिभागी प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे।

राजनीति में परिवारवाद और भ्रष्टाचार को खत्म कर देश निर्माण में विकास को प्राथमिकता देने का काम कर रही है भाजपा- केन्द्रीय मंत्री यादव

केंद्रीय मंत्री यादव ने भाजपा के स्थापना दिवस पर अलवर जिला पार्टी कार्यालय पर फहराया पार्टी का झंडा

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। केंद्रीय वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर अलवर भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय पर झंडा रोहण किया। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के अनेक पदाधिकारी मौजूद थे।

इस अवसर पर भूपेंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी देश भर में राजनीति का केंद्र बिंदु बनी हुई है।

राष्ट्र प्रथम के नारे को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने लंबी अविरल यात्रा की है, आज उसी का परिणाम है कि देश के ज्यादातर राज्यों में और केंद्र में भारतीय जनता पार्टी शासन में है। उन्होंने कहा कि राजनीति में परिवारवाद और भ्रष्टाचार को खत्म कर देश निर्माण में विकास को प्राथमिकता देने का काम भारतीय जनता पार्टी कर रही है। इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया है कि पार्टी के मिशन को आगे बढ़ाने के लिए वह निरंतर कार्य करते रहेंगे और देश की सेवा करते रहेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है वर्ष 2047 तक विकसित भारत लक्ष्य को प्राप्त करें। इसके लिए कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया है।

उन्होंने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी के श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, एवं एनडीए के प्रथम प्रधानमंत्री श्रद्धेय स्व.अटल बिहारी वाजपेयी सहित भारतीय जनता पार्टी के अनेक नेताओं को नमन किया गया जिन्होंने भारतीय जनता पार्टी के लिए बहुत योगदान दिया। यादव ने कहा कि पार्टी में जो नई पीढ़ी जुड़ रही है व लगातार विचारों को आगे बढ़ाएं ऐसी अपेक्षा उनसे की जाती है।

इस अवसर पर राजस्थान वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा, जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता, महासिंह चौधरी, नागपुर जिलाध्यक्ष संजय सिंह नरूका, प्रदेश प्रवक्ता पूजा कपिल, पूर्व विधायक हेम सिंह भडाना, जय राम जाटव, जले सिंह, लक्ष्मी नारायण गुप्ता, ऋषि राज शर्मा, हरीश यादव, राम अवतार चौधरी, गोवर्धन सिंह सिसोदिया, हरिशंकर खंडेलवाल, हरि ओम कटारा, एडवोकेट जितेंद्र शर्मा, राजेंद्र सिंह शेखावत, मनोज चौहान, सरदार गगनदीप सिंह, सोहनलाल सुलानिया, सुमन चौधरी, सीताराम चौधरी, महेश निहलवानी, सतीश यादव, संध्या मीना, महेश मीणा सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। यह जानकारी जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने दी।

भाजपा स्थापना दिवस पर डॉ. सतीश पूनियां ने बेवड़ में फहराया पार्टी ध्वज, कार्यकर्ताओं से की संगठन को मजबूत करने की अपील

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। भाजपा के स्थापना दिवस के अवसर पर भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं राजस्थान के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने चूरू जिले के अपने पैतृक गांव बेवड़ पहुंचकर पार्टी का ध्वज फहराया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों एवं समस्त भाजपा कार्यकर्ताओं को पार्टी स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। डॉ. पूनियां ने कहा कि 6 अप्रैल भारतीय जनता पार्टी के इतिहास में वह दिन है जब विचार, संगठन और राष्ट्रवाद को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से पार्टी की नींव रखी गई थी। उन्होंने कहा कि भाजपा का सफर संघर्षों से भरा रहा है, लेकिन यह पार्टी अपने सिद्धांतों, सेवा और समर्पण के कारण विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है। अपने संबोधन में पूनियां ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पार्टी की विचारधारा को गांव-गांव तक पहुंचाएं और केंद्र व राज्य सरकारों की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक ले जाने में अग्रणी भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश अभूतपूर्व विकास की दिशा में अग्रसर है और आने वाले चुनावों में भाजपा को और मजबूत बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक सक्रिय रहना होगा। इस मौके पर स्थानीय कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। डॉ. पूनियां ने सभी से संगठन को मजबूत करने और राष्ट्र सेवा के पथ पर अडिग रहने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगान गाया गया और सभी ने एकजुट होकर पार्टी हित में कार्य करने की प्रतिज्ञा ली।

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कुलदेवी भादरिया राय माता के किए दर्शन, जगदम्बा सेवा समिति ने किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

जैसलमेर/किशनगढ़/अजमेर(निस) चैत्र नवरात्रि की अष्टमी के पावन अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री भागीरथ चौधरी शनिवार को राजस्थान के जैसलमेर ज़िले स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ भादरिया राय माता मंदिर पहुँचे। उन्होंने अपनी कुलदेवी के दर्शन कर देशवासियों के लिए सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर जगदम्बा सेवा समिति के सचिव जुगल किशोर आसेरा एवं समिति के अन्य सदस्यों ने मंत्री चौधरी का पारंपरिक रूप से स्वागत किया और उन्हें माता भादरिया राय की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया। समिति द्वारा मंदिर की गतिविधियों और सेवाभाव को लेकर विस्तार से जानकारी भी साझा की गई। मंदिर दर्शन के बाद मंत्री चौधरी ने भादरिया मंदिर परिसर में स्थित विश्व प्रसिद्ध भूमिगत पुस्तकालय का अवलोकन किया। यह पुस्तकालय अपनी स्थापत्य कला और ग्रंथ-संग्रह के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि यह धरोहर ज्ञान और संस्कृति की अनुपम मिसाल है, जिसे और अधिक प्रचारित एवं संरक्षित किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त केंद्रीय मंत्री ने निर्मल ज्योति संग्रहालय का भी दौरा किया। संग्रहालय में रखी गई ऐतिहासिक और सांस्कृतिक वस्तुओं को देखकर उन्होंने गहरी रुचि दिखाई और कहा कि इस प्रकार के संग्रहालय नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ने में सहायक सिद्ध होते हैं। अपने दौरे के दौरान मंत्री चौधरी ने भक्ति, संस्कृति और ज्ञान के समन्वय को भादरिया मंदिर की विशेषता बताया और मंदिर विकास तथा पर्यटक सुविधाओं को लेकर हरसंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया।

हादसे में घायल बालक रैफर

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। सालासर रोड स्थित मीँगना गांव के पास गांव नौसरिया थाना सुरपालिया नागौर से मालासी भेरू जा रहे यात्रीयो के सड़क किनारे चाय पानी पीने के लिए रुकते वक्त एक बच्चे को ट्रेलर ने टक्कर मार दी। जिसे सीरियस हालत मे सुजानगढ़ अस्पताल लाया गया। जहाँ टीम हारे का सहारा संयोजक श्याम स्वर्णकार ने इमरजेंसी मे भर्ती कराकर इलाज शुरू कराया। जानकारी के मुताबिक देवकिशन (6) पुत्र मालाराम मेघवाल, निवासी गांव नौसरिया थाना सुरपालिया तहसील जायल, जिला नागौर अपने परिजनों के साथ मालासी भेरू जी के दर्शन करने जा रहा था। रास्ते में यह हादसा हुआ। अस्पताल मे डॉ अनुराग गोयल, डॉ पूजा चौहान, ओमप्रकाश, राजकुमार आदि ने इलाज किया तथा स्थिति गंभीर देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। मामले की जानकारी पर सुजानगढ़ सदर थाना के हेड कांस्टेबल गिरधारी लाल मौक़े पर और अस्पताल पहुचे और मामले की जानकारी ली।

रामनारायण मालू की प्रेरणा से काबरा परिवार ने गौशाला को भेंट किये 4 लाख रुपए

गौशाला में चारा गोदाम निर्माण के लिए दी राशि

जयपुर टाइम्स

नरैना(निसं)। कस्बे के सांभरलेक रोड़ पर स्थित श्री नारायण गौ सेवा समिति (गौशाला) में भामाशाह सेठ स्व. सीताराम-मदन लाल काबरा की स्मृति में प्रेमलता धर्मपत्नी एडवोकेट स्व. हरि प्रसाद काबरा, हर्षित, मोहक काबरा परिवार के द्वारा पूर्व उपसरपंच रामनारायण मालू, एडवोकेट ललित शर्मा की प्रेरणा से रामस्वरूप मोदी, मनोज झंवर, भावना झंवर की उपस्थिति में गौशाला में एक हॉल (चारा गौदाम) निर्माण हेतु 4 लाख रुपए की राशि भेंट की। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष सावित्री देवी स्वामी,गौशाला अध्यक्ष पवन कुमार कुमावत, कोषाध्यक्ष कैलाश चंद तेला, सचिव टीकम अजमेरा, पूर्व मंडल अध्यक्ष रतन गंगवाल, राकेश सोढ़ाणी, गौरीशंकर मालू, कुंज बिहारी, महेश मालू , कजोड़ सैनी, राधेश्याम माली, बलवंत गंगवाल, शुभम सोढ़ाणी आदि ने काबरा परिवार का व नगरपालिका अध्यक्ष सावित्री देवी स्वामी का गौशाला परिवार की ओर से शाल, दुपट्टा ओढ़ाकर व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया।

खुशियां मातम में बदली, कार पलटने से दो की मौत, दो गंभीर घायल

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। उपखंड के खेजड़ा गांव के पास रविवार को एक कार पलटने से कार में सवार 2 जनों की मौत हो गई। वहीं दो जने गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार खेजड़ा दिखनादा से 23 वर्षीय मनोज पुत्र गौरीशंकर जाट, 22 वर्षीय पवन पुत्र कृष्ण स्वामी, 22 वर्षीय मनोज पुत्र रामकुमार जाट और 30 वर्षीय संदीप पुत्र राजपाल जाट अपने परिवार में होने वाली शादी का सामान लेने के लिए कार में सवार होकर सरदारशहर आ रहे थे। तभी खेजड़ा गांव से थोड़ी दूरी पर घुमावदार मोड़ आने पर अचानक कार के सामने नील गाय आ गई। नील गाय को बचाने पर कार अनियंत्रित होकर पलट गई। यहां से गुजर रहे लोगों ने हादसे की सूचना 108 एंबुलेंस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने सभी को राजकीय अस्पताल पहुंचाया। जहां पर डॉक्टरों ने खेजड़ा दिखनादा निवासी मनोज पुत्र गौरीशंकर जाट और रावतसर के बांगासर निवासी संदीप पुत्र राजपाल जाट को मृत घोषित कर दिया। वहीं खेजड़ा दिखनादा निवासी पवन कुमार पुत्र किशनदास स्वामी और रावतसर के बांगासर निवासी मनोज पुत्र रामकुमार जाट को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया। सूचना पर मौके पर पहुंचे भानीपुरा थानाधिकारी रायसिंह सुथार ने मामले की जानकारी ली है। वहीं दोनों मृतको के शवो को राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। हादसे की जानकारी मिलते ही राजकीय अस्पताल में बड़ी संख्या में भीड़ एकत्रित हो गई। लोगों ने बताया कि खेजड़ा दिखनादा निवासी मनोज पुत्र गौरीशंकर जाट के घर मे चचेरी बहन की रविवार शाम को शादी है और इस शादी का सामान लेने के लिए यह सभी लोग सरदारशहर आ रहे थे। बता दे कि हादसे की सूचना जैसे ही परिजनों को लगी शादी में पूरी तरह से मातम पसर गया है। वहीं भानीपुरा पुलिस रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर दोनों शवों का पोस्टमार्टम करवाएगी और आगे की जांच शुरू करेगी।

केन्द्रीय कानून व न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने किया संवाद

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। केन्द्रीय कानून व न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और संसदीय कार्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल रविवार को चूरू आए। इस दौरान उन्होंने जिला मुख्यालय स्थित सर्किट हाउस में स्थानीय जन प्रतिनिधियों व आमजन से मुलाकात की और क्षेत्रीय गतिविधियों की जानकारी लेते हुए संवाद किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि केंद्र सरकार के प्रयासों से देश चंहुमुखी विकास और प्रगति पथ पर अग्रसर है। हम सभी यहां स्थानीय स्तर पर सरकार की योजनाओं के बारे में आमजन को जागरूक करें ताकि अधिकाधिक लोगों को योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत का संकल्प हमारी जिम्मेदारी है। हम समाज -परिवेश के सभी पहलुओं पर सक्रिय भागीदारी निभाते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करें और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अपना योगदान दें। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने गतिविधियों से अवगत करवाया। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण, चूरू प्रधान दीपचंद राहड़, बीदासर प्रधान संतोष मेघवाल, फतेहचंद सोती, ओम सारस्वत, नौरंग वर्मा, सुरेश सारस्वत, सुशील लाटा, दौलत तंवर, नरेंद्र काछवाल, नरेंद्र सैनी, दीनदयाल सैनी, भास्कर शर्मा, सीपी शर्मा, मनोज कुमार, धर्मेंद्र राकसिया, आकाश सैनी, ओमप्रकाश, मुदित, रामस्वरूप सहित जनप्रतिनिधि व आमजन ने केंद्रीय मंत्री मेघवाल का स्वागत किया।

महासंघ एकीकृत का एक माह के अन्दर होगा जिला कार्यकारणी का चुनावः चन्द्रभान चौधरी

चौधरी ने मुख्यमंत्री को भेजा मांग पत्र

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ (एकीकृत) की जिला महासमिति की बैठक में एक माह के अन्दर जिला कार्यकारणी का चुनाव कराने का ऐलान कर दिया गया है। यह जानकारी बैठक की अध्यक्षता कर रहे राजस्थान वाटर वर्क्स कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष राकेश चंद्र शर्मा ने बैठक को संबोधित करते हुए दी। बैठक में उपस्थित सभी संघों के जिला अध्यक्ष एवं सभी संबद्ध संगठनों के महामंत्रियों ने एकमत से चुनाव कराने के निर्णय को मान लिया। बैठक में जिला अध्यक्ष चन्द्रभान चौधरी ने सभी उपस्थित सदस्यों को आश्वस्त किया कि वे कर्मचारी हितों के लिए सदैव तत्पर रहेंगे और संघर्ष करने में पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा वेतन विसंगतियों को दूर नहीं करना कर्मचारियों के साथ धोखा है। जिसे महासंघ (एकीकृत) कभी स्वीकार नहीं करेगा। चौधरी ने मुख्यमंत्री मांग की वेतन विसंगतियों पर पुनर्विचार करने की मांग की है। बैठक में महासंघ (एकीकृत) के जिला संयोजक अजय पूनिया ने सभी उपस्थित सदस्यों को मांग पत्र की जानकारी दी और संशोधित मांग पत्र तैयार करने के लिए प्रस्ताव लिए। पूनिया ने कहा कि महासंघ (एकीकृत) द्वारा जल्दी ही सरकार को संशोधित मांग पत्र पेश किया जाएगा। बैठक में जिन कर्मचारी नेताओं ने संबोधित किया उनमें वाटर बॉक्स के जिला अध्यक्ष राकेशचंद्र शर्मा, शिक्षक संघ एकीकृत के भगवान सिंह मीणा, मदरसा बोर्ड के नौशाद खान, शिक्षक संघ युवा के मुकेश मीणा, अल्पसंख्यक कर्मचारी संघ से जावेद बेग, जलदाय से अतुल हुंडावाल, विभीषण कुमार, धरमसिंह, नीतू अग्रवाल, तमन्ना अख्तर , प्रियंका चौधरी , देवेंद्र शर्मा,हुंडावाल, राजस्व संघ से अशोक कुलश्रेत, उपप्रधानाचार्य संघ से अतुल चौहान, वनयसिंह, शारीरिक शिक्षक संघ से रूपसिंह, पोस्ट ऑफिस संघ से रोहित गुर्जर , गंगाराम गुर्जर, मधु यादव ,बरगद मेन नरेन्द्र यादव, आर आर एन ए से शशिपाल चौधरी, ओमप्रकाश मंगल, गुलाब सिंह, नवीन कुमार, मनीष चौधरी, दिनेश सक्सैना ,दिवाकांत सक्सेना, पवन कुमार, होतम सिंह, आदि उपस्थित रहे।

राम जी की शोभायात्रा में कुमावत समाज का उमड़ा जलवा

सुमेरपुर(निस)। श्री कुमावत समाज सेवा संस्थान सुमेरपुर द्वारा भगवान श्री राम जी की भव्य शोभा यात्रा रविवार को धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ निकाली गई । शोभा यात्रा प्रातः 8.30 बजे कुमावत समाज भवन से रवाना होकर शनि महाराज मंदिर,बायोसा मंदिर, शीतला माता मंदिर, मेहता प्याऊ,भैरू चौक,खेड़ा देवी मंदिर, होते हुए पुनः कुमावत समाज भवन में संपूर्ण हुई । शोभा यात्रा में प्रभु श्री राम का अति सुन्दर रथ तथा अन्य रथ में कलाकार श्री राम दरबार के रूप में बिराजमान थे। समाज के युवा गैर नृत्य करते हुए शामिल रहे और एक से एक जलकिया पेश की।समाज की माता बहनों ने गरबा तथा डीजे पर नृत्य करते हुए शोभा यात्रा को मनमोहक बना दिया । शोभा यात्रा में सबसे आगे घोड़े पर भगवा ध्वज लिए समाज बन्धु चल रहे थे। वही सोजत से आए कलाकार घोसा घोड़ी नृत्य कर रहे थे । समाज बन्धु अपने वाहन लेकर भी शामिल हुए,जहां सभी वाहनों पर भगवा लहराया। शोभा यात्रा में समस्त कुमावत समाज के युवा, युवतियां, बुजुर्ग तथा माताएं नए - नए वस्त्र पहन कर शामिल हुए ।

समाज का स्नेह मिलन समारोह रविवार को प्रातः 11 बजे समस्त कुमावत समाज सुमेरपुर का स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया । समारोह में केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत उपस्थित रहे तथा उन्होंने समाज को मार्गदर्शन देते हुए संबोधित किया । उनके साथ नगरपालिका उपाध्यक्ष चतुर्भुज शर्मा,नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अनोपसिंह राठौड़,भाजपा नेता रविकांत रावल, पूनमसिंह परमार, पत्रकार पुखराज ने भी भाग लिया । सम्मेलन में भामाशाहों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया । विभिन्न कार्यक्रम में अपना आर्थिक सहयोग करने वाले समाज बंधुओं को साफा तथा पुष्प हार पहना कर उनका बहुमान किया गया । सम्मेलन में आगामी कई कार्यक्रमों की बोलियां लगाई गई ।

अम्बेडकर युवा संस्थान, लाखनी की प्रतिभाओं को तराशने की अनूठी पहल

जयपुर टाइम्स

लाखनी(सीकर) में डॉ. भीमराव अम्बेडकर युवा संस्थान द्वारा अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में "अम्बेडकर प्रतिभा खोज प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता RPSC व RSMSSB पैटर्न पर आधारित थी, जिसमें कक्षा 1 से उच्च स्तर तक के छात्रों के लिए चित्रकला, निबंध व सामान्य ज्ञान की परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा श्री केआर शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान, लाखनी में हुई, जिसमें 200 से अधिक बच्चों ने भाग लिया और उपस्थिति 92% रही। संस्थान अध्यक्ष श्यामलाल मेघवाल ने बताया कि परीक्षा का उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को उचित मंच देना है। परीक्षा आधारित थी जिसमें नकारात्मक अंकन, पांचवां विकल्प, द्विभाषी प्रश्न पत्र व आधार सत्यापन जैसी सुविधाएं शामिल थीं। आयोजन में क्षेत्रभर के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों व प्रतियोगियों ने भाग लिया। 13 अप्रैल को "रन फॉर कॉन्स्टिट्यूशन" दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन होगा। पूर्व नौसेनिक बब्बन लोहमरोड़ ने बताया कि इसमें 16 वर्ष से ऊपर के प्रतिभागी विभिन्न दूरी वर्गों में भाग ले सकेंगे। विजेताओं को 14 अप्रैल को बाबा साहेब जयंती पर पुरस्कृत किया जाएगा।

जीण माता मंदिर में बही भजनों की स्वर लहरियां

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। स्थानीय धर्म स्तूप के पास स्थित जीण माता मंदिर में कालूराम प्रजापत की स्मृति में शनिवार रात्रि को भव्य जागरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ 1100 दीपों की महाआरती से किया गया। कार्यक्रम का आगाज कलाकारों ने गणेश वंदना कर किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने 51 किलो लड्डु का भोग लगाकर मां भवानी को रिझाया। कार्यक्रम में सरदारशहर की पिंकी पारीक, चूरू के मेहुल शर्मा, राकेश दाधीच, अनुज गोयल, आशीष शर्मा, श्यामलाल उपाध्याय व सुरेश निराणिया ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुती देकर उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। इस अवसर पर मातुराम, विनोद कुमार, महेश कुमार, मनोज कुमार, बजरंग लाल प्रजापत, सौम्य, राहुल, पंडित राम प्रताप शर्मा सहित बड़ी संख्या में शहर के प्रबुद्ध लोग उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज में सांस्कृतिक संध्या में थिरके विद्यार्थी

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेडिकल कॉलेज में शनिवार को तीन दिवसीय एस्ट्रोन कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. एम.एम. पुकार ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डीबी अस्पताल अधीक्षक डॉ. दीपक चौधरी व आचार्य डॉ. रमाकांत वर्मा रहे। इस दौरान हुई सांस्कृतिक संध्या में विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक आकर्षक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम में समां बांध दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और फैकल्टी ने नृत्य व गायन में भाग लेकर कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। इस अवसर में विद्यार्थियों की ओर से नृत्य, गायन व अभिनय की प्रस्तुति देकर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में डॉ. संदीप कुल्हरी, डॉ. अजीत गढ़वाल, डॉ. विकास देवड़ा, डॉ. शशिधर हरव्याशी, डॉ.

॥ तीये की बैठक ॥

बड़े दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूज़नीय

श्री ओमप्रकाश हाडा

का स्वर्गवास दिनांक 05.04.2025 को हो गया है। **जिनकी तीये की बैठक दिनांक 07.04.2025 को बाल विहार स्कूल- कंपनीबाग के सामने, अलवर में दोप. 3 से 4 बजे तक होगी।**

शोकाकुलः- श्रीमती पुष्पा देवी (धर्मपत्नी), चेतन हाडा-अनीता, चन्दन हाडा-जेया (पुत्र-पुत्रवधु), दीपिका-मुकेश जी (पुत्री-दामाद), बालकिशन-इन्द्रा देवी, प्रेमसिंह-कमलेश, मदनसिंह-पूजा (भाई-वधु), ओमप्रकाश, जगदीश, ईश्वरी, भीमसिंह, अशोक (भाई), मोहनसिंह-स्व. तारा देवी, बाबूलाल-चमेली देवी, बिजेन्द्र-बीना देवी, किशन चन्द-अनीता (बहनोई-बहन), नवीन-वर्षा, गजानन्द-तनूजा, सुरेन्द्र-राधा (भतीजी-जवाई), मोहन सिंह, धर्मेन्द्र, पवन, दिनेश, वंश (भतीजे), विराज, धीरज, छलक (पौत्र), जयवर्धन, वीर, चिराग, भविष्य (नवासा) एवं समस्त हाडा परिवार।

मो. 9509161633, 9610561034, 9166282182, 6378450554

निवासः रोड नम्बर- 2, मेव बोर्डिंग के पीछे, अलवर

याद रखने से बेहतर है भूल जाना

इनमें एमए, एमएससी, एमटैक से लेकर पीएचडी तक लोग शामिल थे। यही नहीं, लोगों ने अपनी जाति तक छिपा ली थी। सही जाति न पता चल जाए इसके लिए जाति के जाली सर्टिफिकेट बनवाए थे। यह तो सफाईकर्मियों की नौकरियां पाने के लिए तरह-तरह की तिकड़म करने वालों का हाल है, दूसरी तरफ जिनके पास ये नौकरियां हैं उन्हें वेतन और छोटी-मोटी सुविधाएं पाने के लिए आंदोलन करना पड़ता है।
दिल्ली में पूर्वी नगर निगम के सोलह हजार कर्मी हड़ताल पर थे। लगभग पांच माह से आंदोलन करने वाले इन कर्मियों का कहना था कि उन्हें किसी दल, किसी पार्टी, किसी सरकार से मतलब नहीं, मगर वे समय पर अपना वेतन पाना चाहते हैं। उनका कहना था कि अन्य कर्मचारियों को जो सुविधाएं मिलती हैं वे उन्हें भी मिलनी चाहिए। चुनाव और चुनाव के बाद दलितों को लुभाने के लिए दलों में होड़ लगी रहती है। बाबा साहब आंबेडकर का नाम ले-लेकर लोग दलितों को लुभाने की कोशिश

डायरी/ कुमार अजय

एक मच्छर मारने वाला लिक्विड खरीदना था। दुकान पर चला गया। और भूल गया कि क्या खरीदना था। घर फोन किया। घर मेरे हाल से वाकिफ है तो सहज जवाब आया। काउंटर पर कहने ही वाला था कि एक कॉल आ गया। फोन पर कोई बहुत करीबी था। मुझसे पूछा, पहचाना क्या। मैं तो नहीं ही पहचान पाया था। बाद में बहुत बुरा लगा कि इनकी भी आवाज न पकड़ पाया। फोन के कारण फिर भूल गया कि खरीदना क्या था। दोबारा घर फोन किया। इस बार वहां भी हैरानी थी- 'हे भगवान, दो ही मिनट में भूल गए!' फोन पर आए जवाब 'मच्छर मारने वाला लिक्विड' को मैंने वहीं काउंटर पर इस तरह दोहराया कि इस बार भी भूल जाऊं तो कम से कम दुकान वाले को याद रहे। सवेरे हॉस्पीटल में एक महाशय ने नमस्कार किया और मेरे पूर्ण परिचित की तरह पूरे हालचाल पूछे। मेरे नहीं पहचानने पर निराशा जाहिर की और बोले, कुमार साब आप भी भूल जाएंगे तो कैसे काम चलेगा। हम तो कितनी बार मिल चुके। आज दिन में शादी में दो-तीन जनों ने नमस्कार किया और नए दफ्तर, नए शहर को लेकर पूछा। माने यह कि उन्हें मेरी पूरी खबर है। मैं ठीक से पहचान भी नहीं पा रहा। मैं भूलने को कुदरत की एक नेमत ही मानता रहा हूं। जीने के लिए, सुख से जीने के लिए याद रखना जितना जरूरी है, उससे भी ज्यादा भूल जाना बेहतर है। पर इस तरह भूलना खुद को भी शर्मिंदा कर देता है। सामने वाले से ज्यादा मैं निराश होता हूं। एक बार शादी में एक व्यक्ति मिले और हाथ बढ़ा दिया। मैंने गर्मजोशी से हाथ मिलाया और मुस्कराकर हालचाल पूछे। सामने वाले ने कहा, पहचान भी रहे हो या यूं ही मुस्करा रहे हो। जितनी बार मिलते हो, मुळककर बावळा बना देते हो। अब मैं क्या कहता। मैं फिर अपने हाल पर मुस्कराया और कहा कि पहचाना तो नहीं। फिर उन्होंने अपना परिचय दिया और बोले कि हम चार-पांच बार मिल चुके हैं। हालांकि उसके बाद उन्हें कभी नहीं भूला। यह और बात है कि उनका नाम अब भूल रहा हूं। साथ बैठने वाले लोगों के नाम कई बार भूल जाता हूं। बहुत सारे लोग सोशल मीडिया के कारण मुझसे परिचित हैं, उन्हें नहीं जानने का इतना दुख नहीं

होता। हालांकि वे भी उम्मीद तो करते हैं कि उन्हें पहचानूं लेकिन यूं पांच-सात हजार लोगों को याद रख पाना तो किसी राजनेता के लिए ही संभव है। हां, जो दो-चार बार मिल चुके, उन्हें भी नहीं पहचान पाने पर खुद से निराश होता हूं। इसे जान-बूझकर इग्नॉर किया जाना या किसी प्रकार का घमंड समझा जाना और भी निराश करता है, हालांकि इसका कोई इलाज नहीं है और फिर किस-किस को बताएंगे जुदाई का सबब हम।

हालांकि मैं जानता हूं कि मैं इस तरह भूल जाता हूं, इसलिए सामने वाले को कह देता हूं कि फोन की बजाय व्हॉटसएप संदेश का इस्तेमाल करें ताकि बार-बार स्क्रॉल करने पर मसला याद आ जाए और यह भी कहता हूं कि एक स्माइली भेजकर याद दिलाते रहें, जब तक काम न हो जाये या साफ इंकार न कर दूं। कई बार तो फोन रखने के साथ ही भूल जाता हूं कि बात क्या हुई थी। अक्सर लोग पूछते हैं कि मेरे काम का क्या हुआ तो मेरा सामने से सवाल होता है कि काम क्या था और मैंने अंतिम बार क्या कहा था। उसके बाद ही कोई फीडबैक दे पाता हूं। फोन मिलाने पर सामने वाले ने तत्काल रिसीव नहीं किया और लंबी घंटी जाती है तो भूल जाता हूं कि किसे फोन किया है। कई बार वह बात भूल जाता हूं जो कहने के लिए फोन किया है। इन स्थितियों से बचने के लिए कोशिश रहती है कि जैसे ही कोई फीडबैक या कोई मैसेज देना होता है, मैं तत्काल ही संबंधित को मैसेज कर देता हूं चाहे उस वक्त कोई भी समय हो। कई बार सामने वाला कहता भी है कि इतनी रात गए यह मैसेज क्या जरूरी था, कल ही बता देते। अब उसे कौन बताए कि कल याद हो न हो। कई बार घंटी बजाने के बाद चपरासी आने में थोड़ी देर कर देता है तो भूल जाता हूं कि क्यों बुलाया था। फिर रटा-रटाया एक काम है, यार पानी पिला दो। सामने वाला चपरासी की बजाय बाबू हो तो यह भी नहीं कह सकते।

ऐसा नहीं है कि मेरा ही यह हाल है। बहुत सारे लोगों का कमोबेश यह हाल है। एक भाई को गांव में घर पर पहुंचाने के लिए दवा दी थी। उसने दवा ले जाकर अपने घर रख ली और भूल गया कि दवा कहां से आई है और किसको देनी है। तीन-चार दिन बाद उलाहना देने पर उसे याद आया और तब जाकर दवा गंतव्य पर पहुंची। कमजोर होती याददाश्त के लिए लोग मोबाइल और कोरोना को दोष देते हैं। यह आरोप पूरी तरह गलत भी नहीं, लेकिन मैं तो बहुत पहले से भुलक्कड़पन का शिकार हूं और बहुत सारी घटनाएं पहले साझा करता रहा हूं। कभी-कभी लगता है कि बहुत कुछ याद रखने की कोशिश में हम जरूरी चीजें भूलते जा रहे हैं, जैसे भूल जाने की कोशिश में बहुत कुछ याद रह जाता है। चाहकर भी कुछ याद नहीं कर पाने के बीच ऐसा भी बहुत कुछ है, जो चाहकर भी भुलाया नहीं जाता। उसका तो जिक्र होता ही आया है गाहे-बगाहे, और भी होता रहेगा बात निकलेगी तो। (5 अप्रैल, 2025)

सम्पादकीय

गण मान्यजम्मू-कश्मीर में कब थमेगा आतंक का खूनी सिलसिला?

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खात्मे के लिए देश और इसके समूचे तंत्र की कितनी ऊर्जा लगी है, यह सभी जानते हैं। विडंबना यह है कि दशकों पहले से जारी इस समस्या से पार पाने के लिए सरकारों ने दावे तो बहुत किए, वक्त के साथ नए उपाय भी किए गए, लेकिन आज भी वहां जिस स्तर की आतंकवादी गतिविधियां चल रही दिखती हैं, वह देश के सामने एक बड़ी चुनौती है। गौरतलब है कि हाल ही में सुरक्षा बलों को यह खबर मिली थी कि पाकिस्तान से संचालित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के कुछ सदस्य घुसपैठ कर कठुआ के जंगलों में छिप गए हैं। उन्हीं आतंकवादियों की तलाश में जम्मू-कश्मीर की पुलिस की अगुवाई में अभियान चलाया जा रहा था। इस बीच गुरुवार की सुबह पुलिस बल ने आतंकियों के एक समूह को घेर लिया। इसके बाद हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने तीन आतंकियों को मार गिराया, लेकिन इस क्रम में तीन पुलिसकर्मी भी शहीद हो गए और सेना के दो जवानों सहित सात अन्य घायल हो गए। इसमें कोई दोराय नहीं कि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बल और वहां की पुलिस ने आतंकियों से मोर्चा लेने के मामले में हमेशा ही सजगता बरती है और इसमें उन्हें काफी हद तक कामयाबी मिली है। मगर यह भी कड़वी हकीकत है कि आज भी वहां आतंकवादी संगठन इस रूप में अपनी मौजूदगी बनाए हुए हैं कि वे सुरक्षा बलों के शिविरों पर हमला कर देते हैं और कई बार उनकी जान भी चली जाती है। सुरक्षा बलों या किसी पुलिसकर्मी की शहादत की घटना दरअसल यह विचार करने की जरूरत को रेखांकित करती है कि आतंकियों से निपटने की रणनीति में क्या किसी बदलाव की जरूरत है! क्या इस समस्या की तहों में जाना अब भी बाकी है? जम्मू-कश्मीर में इतने लंबे समय तक प्रकारांतर से केंद्र सरकार का शासन रहा, सुरक्षा बलों की ओर से हर स्तर पर सावधानी और सख्ती बरती गई, अक्सर मुठभेड़ों में आतंकियों को मार गिराने में कामयाबी मिली, उसके बावजूद यह समझना मुश्किल है कि आज भी आतंकियों के हौसले में कमी क्यों नहीं आ पा रही है। क्या यह उनके आतंकी तंत्र के मजबूत संजाल और सीमापार से परोक्ष सहयोग के बूते हो रहा है या फिर कहीं किसी स्तर पर उनके पांव को राज्य से उखाड़ने के प्रति और ज्यादा सख्ती और गंभीरता की जरूरत है? जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन खत्म होने के बाद जब लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार ने काम करना शुरू किया था, तब उससे उपजी एक उम्मीद यह भी थी कि अब वहां नए सिरे से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई शुरू होगी। मगर अब भी वहां सरकार के कामकाज का कोई ऐसा ठोस असर सामने नहीं आया है, जिससे आतंकियों के हौसले पस्त हों। वरना क्या वजह है कि हर स्तर पर निगरानी या चौकसी के बावजूद आए दिन आतंकी संगठन सुरक्षा बलों पर हमले कर देते हैं और उसमें कई जवान शहीद हो जाते हैं। केंद्र सरकार यह दावा जरूर करती है कि पिछले कुछ समय में जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद में कमी आई है, मगर अक्सर सीमा पार से आतंकियों की घुसपैठ, उनसे सुरक्षा बलों की मुठभेड़, कुछ आतंकियों के मारे जाने के साथ-साथ सेना या पुलिस के जवानों की शहादत से यही लगता है कि वहां इस समस्या की जड़ें कायम हैं

लोकतंत्र में तटस्थ दृष्टिकोण

यह आवश्यक नहीं होता कि इन संदर्भों में हमारे दृष्टिकोण से अन्य पक्ष भी पूरी तरह सहमत हों। प्रत्येक व्यक्ति के अपने-अपने पूर्वाग्रह हो सकते हैं। कभी-कभी पूर्वाग्रह की प्रबलता दुराग्रह में तब्दील भी हो जाती है। ऐसे में किसी भी विषय को लेकर तटस्थ दृष्टिकोण का प्रतिपादन नहीं हो पाता। इन कारणों के चलते कालांतर में नागरिकों के बीच परस्पर वैचारिक टकराव की स्थिति भी निर्मित हो जाती है। किसी भी स्थिति में असहमतियों को कुचलना आखिरकार नकारात्मक परिणाम का कारक होता है। ऐसी स्थिति में परस्पर संवाद से समाधान की ओर बढ़ना चाहिए। कभी-कभी व्यक्ति विशेष के विचारों से अभिप्रेरित होकर हम अपने विचार निश्चित करते हैं। लेकिन जैसे-जैसे शिक्षा का प्रसार हो रहा है, नागरिकों की तर्कशक्ति में आशातीत परिपक्वता भी परिलक्षित होती है। ऐसी स्थिति को सुखद कहा जा सकता है, क्योंकि किसी भी विषय पर गहन वैचारिक मंथन के बाद प्राप्त निष्कर्ष समाज की दशा और दिशा को सकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। लेकिन जब ऐसे निष्कर्ष किसी पर थोपने के प्रयास किए जाते हैं, तब वैचारिक टकराव परस्पर कटुता का कारण बन जाता है। इस स्थिति से बचने का प्रयास होना चाहिए। सिक्के का दूसरा पहलू यह भी है कि वैचारिक टकराव भी सकारात्मक परिवर्तन के कारक सिद्ध होते हैं। इसमें संदेह नहीं कि नागरिकों की तर्कशक्ति में आमूलचूल परिवर्तन के परिणामस्वरूप लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अलग-अलग विचारधारा को देश-प्रदेश का नेतृत्व करने का अवसर मिला है। इसे हम नागरिकों की राजनीतिक चेतना के रूप में भी परिभाषित कर सकते हैं। आमतौर पर देश-प्रदेश के नेतृत्व की विचारधारा के आधार पर आम नागरिक अपना अभिमत सुनिश्चित करते हैं। लेकिन नागरिकों का ऐसा वर्ग भी है जो गहन वैचारिक मंथन के बाद मताधिकार के माध्यम से देश-प्रदेश की दशा और दिशा को सुनिश्चित करता है। ऐसी जागृति लोकतंत्र की बुनियाद को और भी सशक्त आधार देने में सहायक सिद्ध होती है। इन सबके मूल में मतभिन्नता के चलते ही आखिर परिवर्तन को स्वीकार किया गया है। दरअसल, विचारधारा के टकराव से भी नए निष्कर्षों को प्राप्त करने में सफलता प्राप्त होती है। भौतिक संसाधनों की बहुलता के बावजूद आम नागरिकों का विचार-दर्शन आस्था और विश्वास पर ही टिका हुआ है। हालांकि दुनिया में चाहे जितने परिवर्तन आए, लेकिन हम अपनी मूलभूत सभ्यता और संस्कृति से निरंतर जुड़े रहे हैं। आज भी धर्म-अध्यात्म की दुनिया में चहल-पहल स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। आज भी व्रत, नियम और संयम का पालन किसी न किसी रूप में हो रहा है। माता-पिता के संस्कार बच्चों में परिलक्षित हो रहे हैं। नकारात्मकता भी है, लेकिन आज भी मर्यादित जीवन शैली को बड़ी शिद्दत के साथ आत्मसात किया जा रहा है। राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में जितने भी परिवर्तन हुए हैं

मंदिरों में दलितों के प्रवेश के लिए लड़े, स्वामी रामानुजाचार्य

उदासीन बालक यह भांप गया की गुरुवर के तीन इच्छा बाकी थी। अकस्मात ही वह बोल पड़ा, "मैं ब्रह्मसूत्र पर भाष्य लिखूंगा" और इतना कहते ही गुरु यमुनाचार्य की एक उंगली खुल गई। उसने और ऊँचे स्वर तथा दृढ़ निश्चय के साथ दो और प्रण किए की वह 'श्रीविष्णु सहस्रनाम' और 'दिव्य प्रबंधम' पर भी टीका लिख अपने गुरू की इच्छा और साथ ही समस्त मानव जाति का कल्याण करेंगे। इसके पश्चात ही बाकी दो उंगलियां भी खुल गई। कार्य अत्यंत ही दुष्कर था परन्तु दृढ़ संकल्प, विराट इच्छाशक्ति, आत्म विश्वास और गुरु के आशीर्वाद ...

भारतवर्ष पर सैकड़ों वर्षों से ही अनगिनत आक्रमण होते आए हैं परन्तु इसकी अखण्डता को अक्षुण्ण रखने हेतु अनेकों वीर, महात्मा, संत, कवि आदि ने इस भूमि पर जन्म लिया और हर प्रकार से इसकी रक्षा की। ऐसा ही एक दौर था आज से लगभग हजार वर्ष पूर्व, जब भारत की अस्मिता पर आँच आई थी। विदेशी आक्रांताओं के अत्याचार, लूट-पाट और भय से मनुष्य का मन निराशा से भर उठा था। ऐसे में दक्षिण भारत के तमिल नाडु राज्य के श्रीपेरुमबुदुर नामक ग्राम में सन् 1017 ई0 में एक ब्राह्मण परिवार में बालक का जन्म होता है।

माता कांतिमती तथा पिता केशव उसे लक्ष्मण कहकर पुकारते थे। वह बालक भक्ति का ऐसा बीज बोता है जिससे जनमानस में सांस्कृतिक क्रांति, चेतना और जागृति हो जाती है। छोटी उम्र में पिता को खोने के बाद बालक परिवार सहित कांची जाकर 'यादव प्रकाश' से वेदांत की शिक्षा ग्रहण करता है। अपने गुरु की वेद चर्चा और तर्क से असंतुष्ट और असहमत बालक आगे चलकर आलवर संत श्रीपाद यमुनाचार्य जी महाराज की शरण में चला जाता है और उनका प्रधान शिष्य भी बन जाता है। संत यमुनाचार्य जी के वैकुंठ गमन के पश्चात एक अभूतपूर्व घटना घटी, जिससे एक साधारण बालक के असाधारण बनने की प्रक्रिया आरंभ हुई। बालक ने देखा की शरीर त्यागने के पश्चात भी गुरू जी की 3 उंगलियां मुड़ी हुई थी, सभी इस भेद को जानने के लिए उत्सुक थे। उदासीन बालक यह भांप गया की गुरुवर के तीन इच्छा बाकी थी। अकस्मात ही वह बोल पड़ा, "मैं ब्रह्मसूत्र पर भाष्य लिखूंगा" और इतना कहते ही गुरु यमुनाचार्य की एक उंगली खुल गई। उसने और ऊँचे स्वर तथा दृढ़ निश्चय के साथ दो और प्रण किए की वह 'श्रीविष्णु सहस्रनाम' और 'दिव्य प्रबंधम' पर भी टीका लिख अपने गुरू की इच्छा और साथ ही समस्त मानव जाति का कल्याण करेंगे। इसके पश्चात ही बाकी दो उंगलियां भी खुल गई। कार्य अत्यंत ही दुष्कर था परन्तु दृढ़ संकल्प, विराट इच्छाशक्ति, आत्म विश्वास और गुरु के आशीर्वाद से यह कार्य पूर्ण हुआ और लक्ष्मण से श्रीपाद स्वामी रामानुजाचार्य तक का सफर भी तय हुआ। आचार्य रामानुज का कम उम्र में ही थंगाम्मा नामक युवती से विवाह संपन्न हुआ था। कुलीन कन्या होने के कारण उनके मन में तथाकथित निम्न जाति-वर्ग के लोगों के प्रति द्वेष था साथ ही वह उनसे अनुचित व्यवहार भी करती थी। भगवान वरदराज के प्रियभक्त श्री कांचीपूर्ण जी (जो निम्न वर्ग से आते थे) को आचार्य अपना गुरु मानते थे। एक दिन मध्यान भोजन हेतु उन्होंने उन्हें अपने निवास पर आमंत्रित किया। उनके भोजन करके चले जाने के पश्चात थंगाम्मा ने बचे हुए भोजन को बांट दिया, घर को गोबर से लीपा, पुनः स्नान किया और पति के लिए दुबारा भोजन पकाने लग गईं। उनके इस कृत्य से आचार्य जी को बहुत कष्ट हुआ, मन द्रवित हो उठा। उनकी दृष्टि में केवल मनुष्य ही नहीं अपितु प्रत्येक प्राणिमात्र भी ईश्वर के समतुल्य ही था। इस घटना के पश्चात ही उन्होंने गृहस्थाश्रम का त्याग कर सन्यास ग्रहण कर लिया। आगे चलकर उनकी इसी सम दृष्टि से तथाकथित निम्न जाति का उद्धार हुआ, उन्हें मंदिरों में प्रवेश, समाज में सम्मान और प्रभु भक्ति के योग्य भी बनाया।

मैसूर से कुछ दूर स्थित श्रीरंगम नगरी के श्रीरंगनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी के रूप में आचार्य जी ने कई वर्षों तक प्रभु की सेवा की। तत्कालीन समय के महान संत श्रीपाद गोष्ठिपूर्ण जी महाराज से महामंत्र सीखने के लिए आचार्य 17 बार मिलते हैं जिसमें से 17 बार निराशा ही हाथ लगती है। अठारहवीं बार की भेंट में गोष्ठिपूर्ण जी महामंत्र "? नमो नारायणाय" बता देते हैं परन्तु साथ ही दो शर्त भी रखते हैं, पहला यह की मंत्र की गोपनीयता बनाए रखनी होगी और दूसरा, भविष्य में किसी सुपात्र को ही महामंत्र सिखाने का वचन। यह जानने के पश्चात की इस मंत्र के श्रवण मात्र से ही ईश्वर प्राप्ति हो जाती है, आचार्य स्वयं को रोक न सके। उनका संवेदशील हृदय आह्लादित हो उठा और इस चराचर जगत के कल्याण हेतु वे मंदिर की सबसे ऊँची दीवार पर खड़े होकर जोर-जोर से मंत्रोच्चारण करने लगे। जिसने भी इस मंत्र को धारण किया, उन सबका उद्धार हो गया। इस बात पर गोष्ठिपूर्ण अत्यंत क्रोधित होकर अपने शिष्य से कहते हैं, "गुरुद्रोही ! तुझे नरक मिलेगा।" आचार्य भाव-विभोर हो कह उठते हैं, "यदि एक मेरे नरक चले जाने से समस्त संसार का कल्याण होता है तो मुझे अपने किए पर तनिक भी खेद नहीं।" इस महान विचार, त्याग की भावना और करुणामयी हृदय के आगे गोष्ठिपूर्ण नतमस्तक हो जाते हैं, ग्लानि से भर उठते हैं और रामानुजाचार्य को अपना गुरु स्वीकार कर लेते हैं।

फिल्म फौजी पर आया अपडेट, फिर साथ नजर आएगी प्रभास के साथ इस अभिनेत्री की जोड़ी

पैन इंडिया स्टार प्रभास इन दिनों अपनी कई आगामी फिल्मों को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच उनकी एक और फिल्म फौजी को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। इस फिल्म में प्रभास की जोड़ी उनकी फिल्म कल्कि 2898 एडी की एक अभिनेत्री के साथ नजर आएगी। क्या आप बता सकते हैं कि वह अभिनेत्री कौन हैं...

फौजी में नजर आएगी दिशा के साथ प्रभास की जोड़ी

एक खबर के मुताबिक, फौजी एक एक्शन ड्रामा फिल्म होगी। फौजी में प्रभास और दिशा पाटनी एक साथ नजर आ सकते हैं। इस फिल्म से पहले प्रभास और दिशा की जोड़ी को प्रशंसकों ने कल्कि 2898 एडी में खूब पसंद किया था। बहरहाल, इस फिल्म का आधिकारिक नाम अभी तक तय नहीं हुआ है, तब तक इस फिल्म का संभावित नाम फौजी है।

फिल्म में होंगी दो अभिनेत्रियां

वैसे इस फिल्म में दो अभिनेत्रियों के होने की बात सामने आई है, जिसमें इमानवी इस्माइल का नाम पहले से ही शामिल है और अब उनके अलावा इस फिल्म में दूसरी मुख्य अभिनेत्री के तौर पर दिशा पाटनी का नाम शामिल हो गया है। बहरहाल, अभी तक निर्माताओं की ओर से इस फिल्म की स्टार कास्ट को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। फौजी के अलावा साउथ अभिनेता प्रभास स्पिरिट, द राजा साब के अलावा भी कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगे। स्पिरिट का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा कर रहे हैं। इस फिल्म में प्रभास एक पुलिस अफसर की भूमिका में नजर आएंगे। वहीं, द राजा साब एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है।

स्त्री 2 के बाद रेड 2 में आइटम नंबर करेंगी तमन्ना भाटिया, यो यो हनी सिंह भी बनेंगे गाने का हिस्सा

रेड 2 अपने एलान के बाद से ही चर्चा में बनी हुई है। हाल ही में निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज की तारीख के साथ-साथ रेड 2 के कलाकारों के भी लुक साझा किए थे। फिल्म के टीजर ने भी दर्शकों के बीच काफी उत्साह पैदा किया था, जिसके बाद से दर्शकों को बेसब्री से फिल्म की रिलीज का इंतजार है। इस बीच अब फिल्म से जुड़ी नई जानकारी सामने आई है।

रेड 2 में सीधे-सादे आईआरएस अधिकारी अमय पटनायक की अपनी भूमिका को दोहराने के लिए तैयार हैं। निर्माता एक खास प्रमोशनल नंबर के साथ इसे और भी मसालेदार बना रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, तमन्ना भाटिया को रैपर यो यो हनी सिंह के साथ एक हाई-एनर्जी डांस ट्रैक के लिए साइन किया गया है। विजय गांगुली द्वारा कोरियोग्राफ किया गया यह गाना इस सप्ताह मुंबई के एक स्टूडियो में दो दिनों में फिल्माया जाएगा। तमन्ना और विजय की फिल्म यह गाना एक स्टैंडअलोन पोस्ट-क्रेडिट के रूप में काम करेगा। हालांकि, अजय और तमन्ना इस ट्रैक में स्क्रीन स्पेस साझा नहीं करेंगे। बता दें कि अजय और तमन्ना इससे पहले ही रेंजर पर एक साथ काम कर रहे हैं, जिसका निर्देशन मिशन मंगल के जगन शक्ति ने किया है। उम्मीद है कि इस नंबर की शूटिंग खत्म होने के बाद तमन्ना रेंजर के सेट पर शामिल होंगी।

फिल्म की कहानी और कलाकार

राज कुमार गुप्ता द्वारा निर्देशित और रितेश शाह, करण व्यास और जयदीप यादव सहित और टीम द्वारा लिखित रेड 2 अमय पटनायक की 75वीं छापेमारी पर आधारित है। इस बार छापमारी दादा भाई नाम के एक शक्तिशाली टाइकून के खिलाफ होगी, जिसका किरदार रितेश देशमुख ने निभाया है। फिल्म में वाणी कपूर, रजत कपूर, सुप्रिया पाठक, अमित सियाल और यशपाल शर्मा भी हैं। सौरभ शुक्ला सीतागढ़ के खूंखार डॉन ताऊजी की अपनी भूमिका को फिर से दोहराएंगे।

एकता कपूर ने नागिन 7 पर लगाई मुहर

एकता कपूर ने अपने प्रसिद्ध नागिन सीरियल के सातवें सीजन की पुष्टि आधिकारिक तौर पर कर दी है। एकता ने नागिन 7 को लेकर एर दिलचस्प जानकारी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर करके फैंस को खुश कर दिया है।

कब आएगा नागिन 7

ईद के खास मौके पर एकता कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में एकता अपनी टीम के साथ कुछ खास बात करती नजर आईं। एकता ने इंस्टाग्राम वीडियो में कहा, यह ईद है। ईद मुबारक। ईद मुबारक। मुझे सभी को ईदी देनी है। आगे एकता ने कहा, नागिन 7 जल्द आएगा, बहुत जल्द। एकता के इस वीडियो ने फैंस की उत्सुकता को और अधिक बढ़ा दिया है।

ईशा मालवीय हो सकती हैं अगली नागिन

एक खबर के मुताबिक, एकता के नागिन 7 में इस बार ईशा मालवीय नागिन के रोल में नजर आ सकती हैं। उडारियां और बिग बॉस 17 से प्रसिद्ध हुई ईशा अगर नागिन 7 में आती हैं, तो यह उनके करियर के लिए काफी बड़ी उपलब्धि होगी।

नागिन सीरियल की शुरुआत

एकता कपूर के प्रसिद्ध नागिन सीरियल का पहला सीजन 2015 में शुरू हुआ था, जिसमें मौनी रॉय, अदा खान और अर्जुन बिजलानी ने अपने शानदार अभिनय से दर्शको का दिल जीता था। पहले सीजन की सफलता के बाद इसके अभी तक छह सीजन आ चुके हैं। अब प्रशंसकों को नागिन 7 के आने का इंतजार है।

नागिन सीरियल ने कई अभिनेत्रियों को दिलाई पहचान

नागिन टीवी सीरियल ने कई चेहरो को फैंस के बीच खास बनाया, जिनमें मौनी रॉय से लेकर हिना खान, अदा खान, सुरभि ज्योति, सुरभि चंदना, तेजस्वी प्रकाश और रश्मि देसाई शामिल हैं। बहरहाल, फैंस को अब नागिन 7 के आने का बेसब्री से इंतजार है।

तुम्बाड़ फेम निर्देशक के साथ काम करने जा रहीं हैं श्रद्धा

श्रद्धा कपूर ने हाल ही में हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 से दर्शकों का दिल जीता था। इसके बाद से उन्होंने अपनी अगली फिल्म की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की थी। हालांकि, अब खबर आ रही है कि श्रद्धा जल्द ही तुम्बाड़ के निर्देशक राही अनिल बर्वे के साथ एक नया प्रोजेक्ट शुरू करने वाली हैं। इस फिल्म का निर्माण एकता कपूर करेंगी।

तुम्बाड़ के निर्देशक के साथ करने जा रहीं काम

हालांकि, अभी इसकी कहानी और नाम का खुलासा नहीं हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक श्रद्धा और एकता कपूर कई फिल्मों को लेकर बातचीत कर रही हैं। इनमें से एक हाई-कॉन्सेप्ट थ्रिलर फिल्म है, जिसे तुम्बाड़ फेम निर्देशक राही अनिल बर्वे ने तैयार किया है।

श्रद्धा को पसंद आई फिल्म की कहानी रिपोर्ट के मुताबिक स्क्रिप्ट पूरी हो चुकी है और श्रद्धा इसकी अनोखी कहानी से बेहद प्रभावित हैं। उन्हें लगता है कि यह अनाम थ्रिलर स्त्री 2 के बाद उनके लिए एक शानदार फिल्म हो सकती है। श्रद्धा इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्साहित हैं।

लव स्टोरी फिल्म पर भी चल रही चर्चा
इसके अलावा श्रद्धा एकता कपूर के साथ एक लव स्टोरी पर भी चर्चा कर रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन आशिकी 2 फेम निर्देशक मोहित सूरी करेंगे। खास बात यह है कि इसमें श्रद्धा की जोड़ी एक बार फिर आदित्य रॉय कपूर के साथ नजर आ सकती है। सूत्रों का कहना है कि श्रद्धा के पास कुछ और प्रोजेक्ट्स भी हैं, लेकिन उनकी डिटेल्स अभी गुप्त रखी गई हैं।

नागिन ट्रिलॉजी की तैयारी में जुटी हैं अभिनेत्री

इन सबके बीच श्रद्धा कपूर नागिन ट्रिलॉजी की तैयारी में भी जुटी हैं। यह एक मेगा-बजट फिल्म है, जिसका निर्देशन विशाल फुरिया कर रहे हैं। इसमें श्रद्धा मुख्य किरदार नागिन के रूप में दिखेंगी। खास बात यह है कि इस फ्रेंचाइजी में वीएफएक्स का भारी इस्तेमाल होगा, जिससे दर्शकों को कुछ अलग देखने को मिलेगा।

कॉमेडी करते-करते कैसे खूंखार विलेन बने राघव जुयाल

आईफा 2025 में फिल्म 'किल' के लिए बेस्ट नेगेटिव रोल का अवॉर्ड जीतने वाले अभिनेता राघव जुयाल ने हाल ही में खास बातचीत की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वो इंडस्ट्री में हर तरह के किरदार निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। साथ ही राघव ने बताया कि वो अपने किरदारों के लिए कैसे तैयारी करते हैं। बातचीत में फिल्म 'किल' के अपने किरदार के बारे में बात करते हुए राघव ने कहा, मेरा मानना है कि कोई भी किरदार आए, एक्टर को उस किरदार में घुस जाना चाहिए और खुद पर भरोसा रखना चाहिए। इससे धीरे-धीरे वो किरदार में ढलने लगता है और उसे अपने किरदार की समझ आने लगती है। जो बाद में रोल को असरदार बनाने में मददगार साबित होता है।

मैं सभी ऑफर ठुकरा रहा हूं

बॉलीवुड में अक्सर जब किसी अभिनेता का एक किरदार हिट हो जाता है तो फिर उसे एक जैसे रोल ऑफर होने लगते हैं। टाइपकास्ट होने के डर पर बात करते हुए राघव ने कहा, मैं एक जैसे सभी ऑफर ठुकरा रहा हूं। मैं हर बार कुछ अलग और नया करना चाहता हूं। मैं एक जैसे किरदार बार-बार नहीं निभाना चाहता।

एक जैसे किरदार नहीं करूंगा

राघव ने आगे कहा, अगर आप मेरी जर्नी देखें तो मैंने बैक डांसर के तौर पर शुरूआत की, फिर मैं डांसर बना। उसके बाद मैंने शो होस्ट किया और अब एक्टिंग कर रहा हूं। जब मैं इंडस्ट्री में रहकर इतने प्रोफेशन बदल चुका हूं, तो मैं एक जैसे किरदार तो बिल्कुल भी नहीं करूंगा।

'किल' के किरदार के लिए की काफी मेहनत

अब तक चुलबुले अंदाज में दिखने वाले राघव ने इतने खतरनाक विलेन की भूमिका कैसे निभाई? पूछा जाने पर राघव कहते हैं- मुझे खुद नहीं पता कैसे हुआ, बस हो गया। मैंने बस अपने किरदार पर काफी काम किया, काफी मेहनत की। शायद उसी मेहनत का नतीजा है कि ये हो गया।

सफल रही थी 'किल'

साल 2024 में आई फिल्म 'किल' एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म में काफी हिंसक एक्शन दिखाया गया है। फिल्म में राघव जुयाल ने 'फनी' नाम के किरदार की भूमिका निभाई है, जो फिल्म का खलनायक है। निखिल नागेश भट द्वारा निर्देशित इस फिल्म में राघव के अलावा लक्ष्य, तान्या मानिकतला, आशीष विद्यार्थी, अद्रिजा सिन्हा, हर्ष छाया और अभिषेक चौहान प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन द्वारा निर्मित ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी।

टेस्ट की रिलीज से पहले 'टॉक्सिक' की शूट के लिए मुंबई पहुंचीं नयनतारा?

साउथ अभिनेत्री की फिल्म 'टेस्ट' 4 अप्रैल से नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होगी। इस बीच अभिनेत्री को मुंबई में एयरपोर्ट पर देखा गया। दरअसल, नयनतार 'केजीएफ' फेम अभिनेता यश गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर फिल्म 'टॉक्सिक' का हिस्सा हैं। इस फिल्म की शूटिंग मुंबई में हो रही है। संभवत: अभिनेत्री इसी के सिलसिले में वहां पहुंची हैं। हालांकि, फिल्म से अभिनेत्री की भूमिका के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसा कहा जा रहा है कि उनका किरदार एक गेम चेंजर होगा। फिल्म में कियारा आडवाणी फीमेल लीड हैं, उनके साथ हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और अक्षय ओबेरॉय भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। 'टॉक्सिक' को कथित तौर पर 100 करोड़ रुपये से ज्यादा के बड़े बजट में बनाया जा रहा है। फिल्म को अंग्रेजी समेत कई भारतीय भाषाओं में 19 मार्च 2026 में रिलीज किया जाएगा।

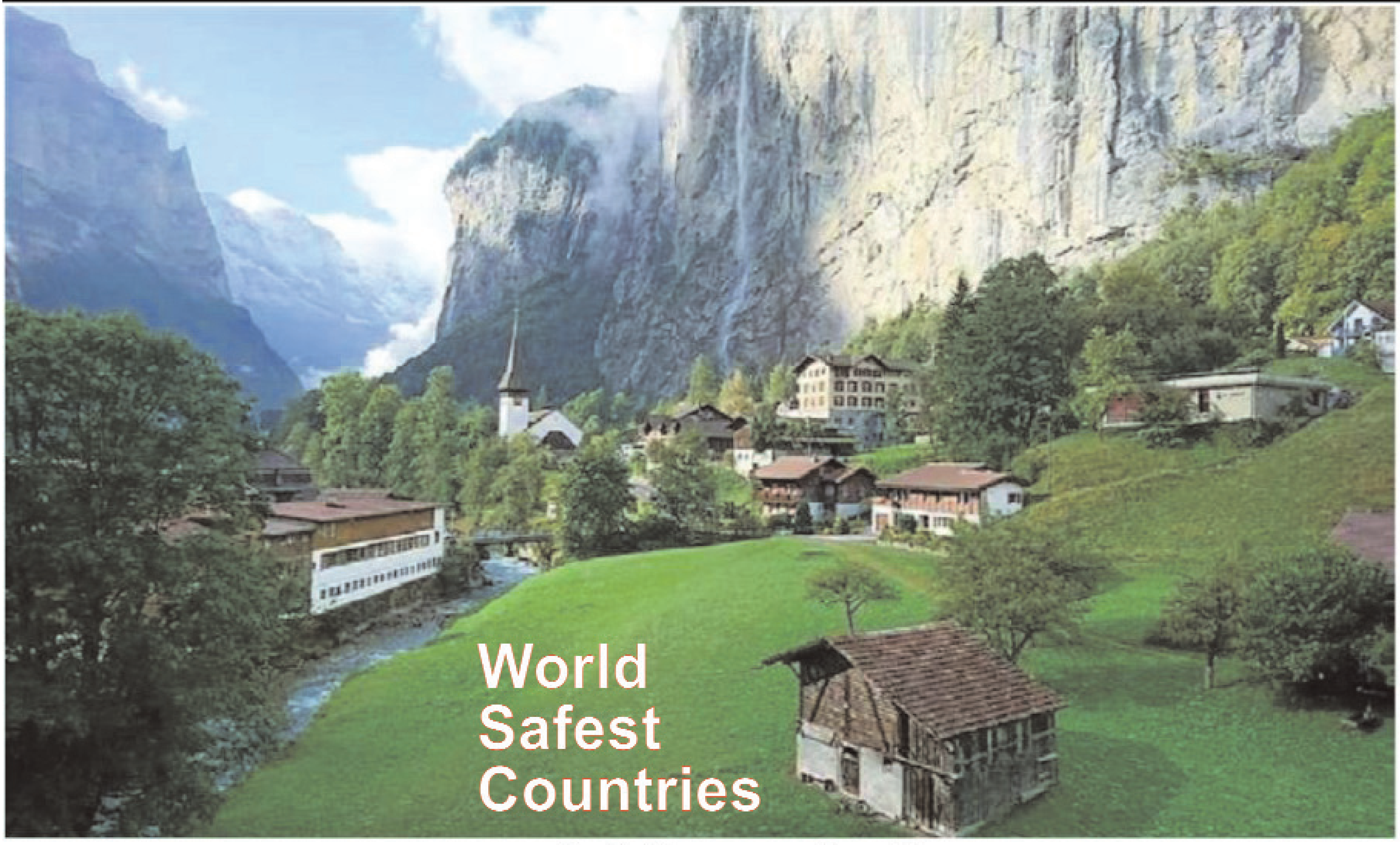

इन देशों में सुरक्षा की नहीं होगी चिंता, बेफिक्र होकर बनाएं घूमने का प्लान

कई लोग विदेश घूमने की इच्छा रखते हैं। विदेश घूमने के लिहाज से अधिकतर देश शानदार हैं। हालांकि विदेशों की खूबसूरती किसी भी टूरिस्ट के मन को आसानी से भा सकती है। लेकिन जब भी विदेश घूमने की बात आती है तो सबसे पहले हमारे दिमाग में यह आता है कि क्या वह जगह सुरक्षा के लिहाज से सही है। क्योंकि सेफ्टी हमारी फर्स्ट प्रायॉरिटी होती है। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको कुछ ऐसे देशों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आपको सुरक्षा की चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। आइए जानते हैं कि वह कौन-कौन से देश हैं, जहां पर आप बेफिक्र होकर घूम सकते हैं।

आइसलैंड

आइसलैंड की आबादी 3,72,295 है। ग्लोबल पीस इंडेक्स के अनुसार, यह दुनिया का सबसे सुरक्षित देश हैं। बता दें कि यहां पर क्राइम रेट काफी कम है। इसके साथ ही यह हाई-सिक्योरिटी वाला देश भी है। सभी तरह के अपराधों के प्रति यहां के नागरिकों का एक मजबूत सामाजिक दृष्टिकोण है। यह देश धार्मिक स्वतंत्रता देने के साथ ही महिलाओम और पुरुषों को समान अधिकार देता है। अगर आप भी विदेश घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आइसलैंड सुरक्षित देश है।

न्यूजीलैंड

आपको बता दें कि न्यूजीलैंड की जनसंख्या 5,124,100 के आसपास है। यह देश भी घूमने और रहने के लिहाज से सुरक्षित है। यहां पर आप बेफिक्र होकर घूम सकते हैं। न्यूजीलैंड का भी क्राइम रेट कम है। हालांकि साल 2019 में क्राइस्टचर्च की दो मस्जिदों पर हुए आतंकवादी हमले के कारण यहां का क्राइम स्कोर थोड़ा कम हो गया है। यह पर आप सुरक्षा का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि न्यूजीलैंड में शांति वाले इलाके में पुलिस अपने पास हथियार भी नहीं रखती है।

पुर्तगाल

साल 2014 के अनुसार, पुर्तगाल दुनिया का 18वां सबसे सुरक्षित देश है। ऐसे में आप बिना सुरक्षा की चिंता किए बगैर यहां पर घूम सकते हैं। 10,270,865 के करीब आबादी वाला यह देश विभिन्न कारणों से सबसे सुरक्षित देशों में शीर्ष 5वां स्थान अर्जित किया है। बता दें कि आर्थिक विकास के कारण इस देश की बेरोजगारी दर 17 प्रतिशत से 7 प्रतिशत तक कम हो गई है।

आस्ट्रिया

26,177,413 के करीब जनसंख्या वाला देश आस्ट्रिया भी सुरक्षित देशों की गिनती में आता है। यहां पर भी अपराध दर काफी कम है। लेकिन यहां पर घूमने आने वाले टूरिस्टों और यहां पर रहने वाले स्थानीय निवासियों को जेबकतरों और पर्स-स्नैचर्स आदि घटनाओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए अगर आप भी यहां पर घूमने आना चाहते हैं तो

आपको जेबकतरों से सावधान रहने की जरूरत होगी।

डेनमार्क

डेनमार्क 5,896,026 आबादी वाला देश है। बता दें कि ग्लोबल पीस इंडेक्स के अनुसार, यह दुनिया का 5वां सबसे सुरक्षित देश है। इस देश में अच्छी शिक्षा, अच्छा रोजगार और कम भ्रष्टाचार होने के साथ ही कुशल सुरक्षाबन मिलेगा। इसके अलावा यहां की हेल्थ सुविधाएं भी काफी बेहतर हैं। इस देश में लोग आरामदायक तरीके से अपनी जीवन व्यतीत करते हैं।

कनाडा

कनाडा की कुल आबादी 37,742,154 के करीब है। आबादी के लिहाज से कनाडा काफी छोटा देश है। यहां का अधिकतर हिस्सा बंजर जंगल है और यह बंजर जंगल हजारों मीलों तक फैला हुआ है। लेकिन घूमने के लिहाज से यह काफी सुरक्षित देश है। इस देश का अपराध दर भी काफी कम है।

सिंगापुर

सिंगापुर 59,43,546 के करीब आबादी वाला है। सिंगापुर में छोटी-मोटी चोरी और अन्य अपराधों के खिलाफ कुछ सख्त कानून हैं। जिसके कारण इसकी गिनती दुनिया के सुरक्षित देशों में होती है। हालांकि सिंगापुर को शहर-राज्य के रूप में परिभाषित किया गया है। इसलिए ऐसा कहा जा सकता है कि यह दुनिया के दूसरे नंबर का सबसे सुरक्षित राज्य है।

जापान

जापान की जनसंख्या 125.93 मिलियन के आसपास है। सुरक्षा के लिहाज से यह सबसे सुरक्षित देश है। चीन और उत्तर कोरिया के करीब होने के बाद भी जापान एशियाई महाद्वीप का एक सुरक्षित और आर्थिक रूप से स्थिर देश है। वैश्विक शांति सूचकांक में जापान हमेशा हाई स्कोर हासिल करता है।

चेक गणराज्य

चेक गणराज्य की आबादी 10,512,397 के करीब है। यहां पर हर वर्ष अपराध दर घटता प्रतीत होता है। यूरोप के अन्य देशों की तुलना में चेक गणराज्य सुरक्षित देशों में से एक है। यहां पर आप सुरक्षा की परवाह किए बिना आराम से घूम-फिर सकते हैं।

स्विट्ज़रलैंड

स्विट्जरलैंड घूमने के लिए हर साल लाखों टूरिस्ट वहां पहुंचते हैं। बता दें कि यहां की आबादी 8.6 मिलियन के आसपास है। रहने और घूमने के लिहाज से यह देश सबसे ज्यादा बेस्ट है। फूड सिक्योरिटी के मामले में भी स्विट्ज़रलैंड दुनिया भर में चौथे स्थान पर है।

इन टिप्स को फॉलो कर हॉलिडे को बनाएं शानदार, ऐसे करें पैसों की बचत

कई लोगों को घूमना काफी पसंद होता है। कई बार लगातार ट्रैवल करने के बाद भी थकान नहीं होती है। लेकिन घूमने के लिए पैसों की भी जरूरत होती है। ऐसे में सेविंग्स का होना जरूरी होता है। घूमने के दौरान कई बार ज्यादा पैसा खर्चा हो जाता है। लेकिन अगर आप स्मार्ट तरीके से घूमने की प्लानिंग करें तो आप पैसों की बचत कर सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ट्रैवल के कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनकी मदद से आप ट्रैवल भी कर लेंगे और पैसों की सेविंग भी कर लेंगे।

हॉलिडे की योजना

अगर आप भी छुट्टी पर जाने की सोच रहे हैं। तो सबसे पहले यह डिसाइड करें की आप रिलैक्सिंग हॉलिडे के लिए समुद्र तट पर चाहते हैं या एडवेंचर्स करना चाहते हैं। जब आपको यह पता होता है कि आप घूमने के लिए कहां जाने वाले हैं तो वहां होने वाले खर्चे और यात्रा कार्यक्रम की योजना पहले से बना लें। इस दौरान आपके लिए रियलिस्टिक बजट बनाना आसान हो जाएगा।

रियलिस्टिक बजट

घूमने जाने की शुरुआत हॉलिडे रीयलिस्टिक बजट तय करने से शुरू होती है। आप कहीं भी घूमने जा रहे हों। कोई भी स्मार्ट ट्रैवलर यह बात काफी अच्छे से जानता है कि शानदार छुट्टियां बिताने के लिए एक रियलिस्टिक बजट की जरूरत होती है। जिसे आप आसानी से पहले ही बना सकते हैं।

ट्रैवल और खरीदारी

घूमने जाने के दौरान बुकिंग या खरीदारी पर कैशबैक कमा सकते हैं। इससे आपकी ट्रैवलिंग आसान हो जाती है। कई बार खरीददारी करने पर या बुकिंग करने के दौरान आपको कैशबैक मिलता है। इसलिए हमेशा इस ऑप्शन को ओपेन रखना चाहिए।

ऑफ सीजन में यात्रा

इस सीक्रेट को सभी स्मार्ट ट्रैवलर्स अपनाते हैं। अधिकतर ट्रैवल करने वाले ऑफ सीजन में यात्रा कर बड़ी बचत करते हैं। इस दौरान उनका ज्यादा खर्च नहीं होता है। क्योंकि वह ऑफ-पीक हॉलिडे सीजन में ट्रैवल करते हैं। ऑफ सीजन में ट्रैवल करने से फ्लाइट्स, होटल आदि सस्ते और आसानी से मिल जाते हैं।

फ्लाइट्स चुनते समय फ्लेक्सिबल

पर्यटकों की आवाजाही सप्ताह के कुछ दिनों में कम होती है। इस समय यात्रा करने पर आपको सस्ती उड़ान भरने का मौका मिल सकता है। फ्लाइट की कीमत के आधार पर आप अपनी छुट्टियों को प्लान कर सकते हैं। इससे भी आप अच्छी खासी सेविंग कर लेंगे।

हॉस्पिटैलिटी कंपनी

आपको बता दें कि अपने नियमित ग्राहकों के लिए कई प्रमुख होटल चेंस और एयरलाइंस बहुत कम या बिना किसी एडिशनल कॉस्ट के लॉयल्टी प्रोग्राम्स पेश करती हैं। इस दौरान आपको होटल चेंस और एयरलाइंस के जरिए स्पेशल ट्रीटमेंट मिलता है।

क्रेडिट/डेबिट कार्ड

क्रेडिट या डेबिट कार्ड रिवार्ड पॉइंट अर्जित कर सकते हैं। यह पॉइंट अर्जित करने का एक क्विक और आसान तरीका है। जिसके बदले कई प्रमुख बैंक गिफ्ट्स और सर्विस के बदले में आपको रिवार्ड पॉइंट प्रदान करते हैं। जिन्हें किसी भी समय रिडीम किया जा सकता है।

सस्ता विकल्प खोजें

अगर आपके पास पर्याप्त समय है तो आप उन विकल्पों को पता करें। जिनमें यात्रा सस्ती होने के साथ ही आने-जाने से लेकर रहने तक हर चीज के लिए काफी सारे विकल्प होते हैं। इस दौरान हॉलिडे प्लान करने के दौरान शानदार अनुभवों के लिए फ्लाइट्स के स्थान पर ट्रेनों की खोज करें।

सिक्किम घूमने का बना रहे हैं प्लान तो...

इन खूबसूरत जगहों को करें एक्सप्लोर, जन्नत में आने का होगा एहसास

देश की टॉप ट्रैवल डेस्टिनेशन्स में नॉर्थ ईस्ट के कई राज्यों का नाम गिना जाता है। नॉर्थ ईस्ट की ट्रिप प्लान करने वाले अधिकतर लोग सिक्किम घूमना नहीं भूलते हैं। वैसे तो सिकिम्म में घूमने के लिए कई खूबसूरत जगहें हैं। ऐसे में अगर आप भी सिक्किम घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों को एक्सप्लोर करना न भूलें। इन खूबसूरत जगहों पर घूमने के बाद आपका वापस आने का दिल नहीं करेगा। हिमालय की गोद में बसा सिक्किम भले ही एक छोटा सा राज्य है। लेकिन यहां की खूबसूरत वादियों से लेकर नेचर की खूबसूरती आपका मन मोह लेगी। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको सिक्किम की कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं उन जगहों के बारे में...

त्सोमगो झील की सैर

अगर आप सिक्किम में किसी रोमांटिक जगह पर घूमना चाहते हैं तो त्सोमगो लेक आपके लिए बेस्ट ऑप्शन होगा। त्सोमगो लेक सिक्किम की राजधानी गंगटोक से महज 40 किलोमीटर दूर है। यह लेक 12,400 फीट की ऊंचाई पर मौजूद है। इस लेक को चांगु झील के नाम से भी जाना जाता है। बता दें कि सर्दियों में यह लेक पूरी तरह से जम जाती है। वहीं बसंत ऋतु के मौके पर इस लेक की सुंदरता कई खूबसूरत फूलों से खिल उठती है।

जुलुक का दीदार

जुलुक का दीदार करने के लिए सिक्किम की राजधानी गंगटोक से लगभग 3 घंटे का सफर तय करना होता है। इस दौरान रास्ते में 32 हेयरपिन मोड़ आपकी यात्रा को अधिक शानदार बना सकते हैं। वैसे तो जुलुक सिक्किम का एक छोटा सा और काफी खूबसूरत गांव है। लेकिन यहां से 11 फीट की ऊंचाई पर स्थित थुंबी व्यू प्वाइंट कंचनजंघा चोटी अपने खूबसूरत नजारों के लिए फेमस है। जुलुक की ट्रिप के दौरान कपुप लेक या हाथी झील का भी दीदार कर सकते हैं।

पेलिंग की ट्रिप

गंगटोक से लगभग 140 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पेलिंग भी घूमने के लिए बेस्ट जगह है। यह जगह रोमांच के लिए फेमस है। पेलिंग का सफर एडवेंचर लवर्स के लिए बेस्ट हो सकता है। यहां पर एडवेंचर के शौकीन लोग रॉक क्लाइंबिग, ट्रेकिंग, कयाकिंग, माउंटेन बाइकिंग, रिवर राफ्टिंग जैसी कई एक्टिविटी कर सकते हैं। इसके अलावा सांगचोएलिंग मठ रिम्बी वॉटरफॉल स्काई वॉक और सेवारो रॉक गार्डन का दीदार कर अपने सफर को शानदार और रोमांचक बना सकते हैं।

रंवगला

रंवगला सिक्किम का खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह समुद्र तल से लगभग 8000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। हिमालय पर्वतों से घिरा रंवगला मैनम और तेंडोंग हिल्स टॉप पर मौजूद है। बता दें कि रंवगला गंगटोक से लगभग 63 किलोमीटर की दूर स्थित है। नेचर लवर्स के लिए रंवगला की सैर बेस्ट हो सकती है। यहां से आप ग्रेटर हिमालय के मनमोहक नजारों को बेहद नजदीक से देख सकते हैं।

भाजपा के डीएनए में ही राष्ट्रवाद: जगह जगह धूमधाम से मनाया भाजपा का स्थापना दिवस

चूरू

रतनगढ़

सुजानगढ़

कांवट।

नीमकाथाना

सरदारशहर

धौलपुर

जयपुर टाइम्स

नीमकाथाना। भारतीय जनता पार्टी (भा.ज.पा.) का स्थापना दिवस बाजोर हाउस नीमकाथाना में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर की गई। इस अवसर पर सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेमसिंह बाजोर, पूर्व विधायक फुलचंद गुर्जर, पाटन प्रधान सुवालाल सैनी, नीमकाथाना उपप्रधान सुरेंद्र खरबास, दाताराम गुर्जर, प्रमोदसिंह बाजौर, सुभाष मिठारवाल, रामसिंह गुर्जर एडवोकेट, इंद्राज सैनी सहित कई प्रमुख नेताओं ने पार्टी की स्थापना और उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में वक्ताओं ने वक्फ संशोधन बिल पर भी चर्चा की और स्पष्ट किया कि यह बिल भूमि माफियाओं के खिलाफ है, न कि मुस्लिम समुदाय के खिलाफ। उन्होंने यह भी बताया कि वक्फ बोर्ड को समाप्त नहीं किया गया है, केवल उसमें संशोधन किया गया है। इस आयोजन में सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिनमें हरिप्रसाद सैनी, विकास यादव, मोन्टू कृष्णिया, कृष्ण गुर्जर, जिला परिषद सदस्य अनील लाठर, सुमित गुर्जर, फुलचंद वर्मा, राकेश शर्मा, मुन्नालाल सैनी, उमराव गुर्जर, केदार सैनी, हंसराज गुर्जर सहित अन्य प्रमुख लोग शामिल रहें। कार्यक्रम को लेकर कार्यकर्ताओं में जोश और उत्साह का माहौल रहा। भारतीय जनता पार्टी के उद्देश्य और नीतियों को लेकर लोगों में जागरूकता फैलाने का संदेश दिया गया।

रतनगढ़ धनवंतरी नगर स्थित रतनगढ़ विधानसभा कार्यालय पर भारतीय जनता पार्टी शहर मंडल की ओर से आयोजित स्थापना दिवस कार्यक्रम कार्यकर्ताओं की ओर से उत्साह के साथ संपन्न किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संगठन के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी पंडित दीनदयाल उपाध्याय और मां भारती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आपातकाल जैसी त्रासदी को झेलकर भी कभी समझौता नहीं किया और अपने उद्देश्यों को लेकर आगे बढ़ती रही आज हमारी विचारधारा ने अपने संकल्पों को पूर्ण कर पूरे विश्व में भारत की विशिष्ट पहचान बनाई है जो हमारे लिए गौरव का विषय है। करोड़ों कार्यकर्ता स्वार्थ रहित होकर निरंतर राष्ट्र कल्याण में कार्य कर रहे हैं, यही भारतीय जनता पार्टी की विशेषता है। विधानसभा संयोजक अर्जुन सिंह फ्रांसा ने कार्यकर्ताओं को बताया कि हम एक ऐसे संगठन के कार्यकर्ता है जहां परिवारवाद पर नहीं कार्यकर्ता के परिश्रम पर उसका विकास होता है। जिला उपाध्यक्ष भागीरथ सिंह राठौड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ध्येय संकल्प के साथ आगे बढ़कर आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। इसी क्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता एडवोकेट बजरंग गुर्जर ने कार्यकर्ताओं को पार्टी के इतिहास विकास से अवगत कराया और कहा कि लाखों कार्यकर्ताओं के बलिदान के पश्चात लक्ष्य की प्राप्ति हुई है अतः हमें संगठित रहते हुए आगामी कई दशकों तक भारत की सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखना है। कार्यक्रम को प्रबुद्धजन प्रकोष्ठ के राजकुमार महर्षि, महेंद्र उपाध्याय अल्पसंख्यक मोर्चा के हनीफ खत्री युवा कार्यकर्ता कुलदीप गौड़ आदि ने भी संबोधित किया। कार्यकर्ताओं की ओर से कार्यालय पर पार्टी का झंडा भी फहराया गया। मंडल अध्यक्ष महेश सैनी ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार प्रगट किया। कार्यक्रम का संचालन अरुण पचलंगिया ने किया। इस दौरान पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता मदन सिंह फ्रांसा, निरंजन देव रूंथला, राजेंद्र चांदगोठिया,ओम महर्षि, ओबीसी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष किशनलाल घोड़ेला, पार्षद प्रहलाद भार्गव, दुर्गादत्त गोयनका, नेमीचंद गौड़,नरेंद्र इंदौरिया, महावीर महर्षि,बजरंग लुहानीवाल, प्रमोद बबेरवाल, ललित शर्मा झूमरमल भार्गव, रामदेव चंदनिया, राकेश शर्मा, भंवरलाल टेलर, अशोक पंवार,सुरेंद्र सिंह, सुनील शर्मा, प्रवीण सिंवाल, हरीओम चौमाल, योगेश सारस्वत, सलीम खान, आशीष सोनी, मोतीलाल सोनी, मदनसिंह सांगासर, रविंद्र इंदौरिया, गिरधारी प्रजापत, निखिल इंदौरिया, साबिर गौरी, बलवीर स्वामी, प्रदीप सैनी, मनीष महर्षि, चतुर्भुज प्रजापत, मनोज चौमाल, गोविंद खटोड़, शिवम सैनी, सुशील इंदोरिया, सुनील कम्मा, महेश इंदौरिया मनोज भाटी सहित दर्ज़नो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सुजानगढ़ भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के उपलक्ष में भाजपा कार्यालय में भाजपा स्थापना दिवस मनाया गया। मंडल अध्यक्ष विनय माटोलिया की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में कार्यालय की छत पर भाजपा का ध्वज फहराया गया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल, नेता प्रतिपक्ष जयश्री दाधीच, पूर्व मंडल अध्यक्ष बुद्धिप्रकाश सोनी व पवन माहेश्वरी मंचस्थ रहे । शुरुआत भारत माता, श्यामाप्रसाद मुखर्जी व पंडित दीनदयाल उपाध्याय के तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की गई। कार्यक्रम में खेमाराम मेघवाल, विनय माटोलिया, जयश्री दाधीच, बुद्धिप्रकाश सोनी, पवन माहेश्वरी, रिछपाल बिजारणिया, विजय चौहान, महेश जोशी आदि ने स्थापना दिवस के अवसर पर? अपने विचार प्रकट किये और जनसंघ से लेकर अभी तक पार्टी के इतिहास व संघर्ष की जानकारी सभी को बताई। वक्ताओं ने बताया कि नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पार्टी भारत की गौरवशाली संस्कृति के अनुरूप देश के पुनर्निमाण और गरीब कल्याण की कल्पना को किस तरह साकार कर रही है। इस अवसर पर पार्षद तनसुख प्रजापत, रेवंतमल पंवार, गौरव इंदौरिया, हरिओम खोड़, पुरुषोत्तम शर्मा, पार्षद प्रतिनिधि नरेंद्र प्रजापत, पन्नालाल सोनी एवं भंवरलाल गिलाण, खुशीराम चांदरा, नवरतन पुरोहित, संतोष बेड़िया, प्रकाश भार्गव, प्रकाशचंद्र सोनी, कमल दाधीच, एडवोकेट प्रियांशु लड़ा, एडवोकेट मनीष दाधीच, नरेंद्र गुर्जर, गंगाधर लाखन, प्रदेश वाल्मीकि, सक्षम तूनवाल, अमरचंद सेन, भंवरलाल बिजारणिया, कालूदास तेजस्वी, सुरेश शर्मा, जगदीशनाथ आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन गोपाल पारीक ने किया।

चूरू पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के चूरू आवास पर भाजपा के 46वें स्थापना दिवस पर चूरू नगर मंडल की ओर से पार्टी का स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ भारत माता, पं. दीनदयाल उपाध्याय व डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर व वंदे मातरम से किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के डीएनए में ही राष्ट्रवाद है। जन संघ से लेकर आज तक के सफर में भाजपा ने अनेक उतार चढ़ाव देखे हैं, परंतु इस पार्टी ने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। पार्टी की स्थापना से लेकर आज तक इस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रवाद की भावना के साथ कार्य किया है। उन्होंने कहा कि देश की जनता के आशीर्वाद से आज भाजपा तीसरी बार सत्ता में पहुंची है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से धारा 370, ट्रिपल तलाक, रामलला मंदिर निर्माण व वक्फ बोर्ड अधिनियम जैसी उपलब्धियां की चर्चा करते हुए कहा कि आज देश में इस प्रकार के सुधारात्मक कार्य किया जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की ओर से आज जो सफर तय किया गया है उसके पीछे उन लाखों करोड़ों कार्यकर्ताओं का हाथ है जिन्होंने बगैर किसी स्वार्थ के लगातार पार्टी की सेवा कर पार्टी को मजबूत बनाया। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि भाजपा के स्थापना दिवस के अवसर पर हम सब कार्यकर्ताओं को यह संकल्प लेना चाहिए कि जिस उद्देश्य से इस पार्टी की स्थापना हुई, उस उद्देश्य की प्राप्ति हम जल्द करें। उन्होंने कहा कि भाजपा ही एक मात्र ऐसी पार्टी है, जहां एक सामान्य व्यक्ति एक बड़े पद तक पहुंच सकता है। भाजपा एक मात्र ऐसी पार्टी है जहां हर वर्ग के लोगों को आगे बढ़ने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब के सपने को भाजपा साकार कर रही है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने हमेशा तोड़ने की राजनीति की है जबकि भाजपा ने हमेशा जोड़ने की राजनीति की है। कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता ओम सरस्वत, फतेह चंद सोती, टोपन दास नंदवानी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर वयोवृद्ध भाजपा नेता टोपन दास नंदवानी का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र राकसिया ने की। कार्यक्रम में प्रधान दीप चन्द राहड़, नेता प्रतिपक्ष विमला गढ़वाल, पूर्व सभापति विजय कुमार शर्मा, दौलत तंवर, जिला महामंत्री अभिषेक चोटिया, भास्कर शर्मा, स्थापना दिवस कार्यक्रम के जिला संयोजक नरेंद्र काछवाल, प्रधान संतोष मेघवाल, नरेंद्र कंवल, नरेंद्र सैनी, नौरंग वर्मा, सुशील लाटा, हेमसिंह शेखावत, किशन आसेरी, रघुनाथ खेमका, दिनेश शर्मा, विजय शर्मा, ओम इंदौरिया, पवन चांवरिया, भाजयुमो जिलाध्यक्ष गोपाल बालाण, प्रकाश नायक सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन सुरेश सारस्वत ने किया।

कांवट। भाजपा का 46 वा स्थापना दिवस कार्यकर्ताओं ने रविवार को गायत्री मंदिर परिसर में धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम में एडवोकेट जगदीश प्रसाद शर्मा, रंगलाल स्वामी, बजरंगलाल सैनी व रामचन्द्र शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की रीति नीति में राष्ट्र प्रथम की भावना और अंत्योदय के मूल मंत्र में जरूरतमंद अंतिम छोर के व्यक्ति की सेवा करना मूल सिद्धांत है। उन्होंने विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी के 46वें स्थापना की शुभकामनाएं दी। वक्ताओं ने स्थापना दिवस पर प्रकाश डालते हुए पार्टी की रीति नीति व उद्देश्यों के बारे में कार्यकर्ताओं को अवगत कराया। इस अवसर पर पार्टी के संयोजक संतोष यादव, सहसंयोजक रामगोपाल, महेंद्र जांगू, दिलीप सेन संतोष शर्मा, मनोज टेलर, राकेश शर्मा, महेंद्र सिंह थेबड, मस्जिद खान, राजेंद्र सैनी, महेंद्र सिंह खोकर आदि उपस्थित रहे।

सरदारशहर शहर में भारतीय जनता पार्टी का 46 वां स्थापना दिवस बहादुर सिंह कॉलोनी स्थित पार्टी कार्यालय में हर्षोंउल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम संयोजक किशन मॉयल व विकास पारीक ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम पार्टी कार्यालय में ध्वजारोहण तथा भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी व अटल बिहारी वाजपेयी के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां ने बताया कि आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी का स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। हम लोगों में इस बात की खुशी है कि हम उसे पार्टी के लिए कार्य कर रहे हैं। जिसके नेता अपने परिवार से पहले राष्ट्र को मानते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी के वह कथन हमें आज भी याद है कि पार्टी तोड़कर सत्ता के लिए गठबंधन करना होगा तो मैं ऐसी सत्ता को चिमटे से भी छूना पसंद नहीं करूंगा। उन्हीं के आदर्श पर चलकर आज भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। विधानसभा संयोजक राजेंद्र सोनी ने बताया कि लाखों कार्यकर्ताओं के त्याग और परिश्रम का नतीजा है कि आज भारतीय जनता पार्टी शिखर पर पहुंची है। जब तक देश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार रहेगी देश का भविष्य सुरक्षित हाथों में रहेगा। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सभापति राजकरण चौधरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। यही इसका जीत का मूल मंत्र है। जिला मंत्री श्याम परीक ने बताया कि स्थापना दिवस के उपलक्ष में पार्टी की ओर से चलाए जा रहे कार्यक्रमों के अंतर्गत आज पार्टी कार्यालय में स्थापना दिवस का कार्यक्रम मनाया जा रहा है। इसके पश्चात आगामी पूरे सप्ताह बूथ स्तर पर स्थापना दिवस के कार्यक्रम मनाए जाएंगे। 14 अप्रैल को बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर जयंती पर भी इसी के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान पूर्व प्रधान भैरोसिंह राजपुरोहित, ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष मुरलीधर सैनी आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन भाजपा अध्यक्ष मुकेश भामा ने किया। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष दयाल सिंह राजपुरोहित, मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश नायक, पार्षद दीपक बेद, राम अवतार जांगिड़, राकेश जगरवाल, बाबूलाल प्रजापत, सुनील प्रजापत, सुशील प्रजापत, राजूनाथ सिद्ध, रूपचंद सोनी, राकेश टाक, कमल नाई, दुनिचंद जोशी, विकास रिणवां, प्रदीप दीक्षित, मोहनसिंह, राजेंद्र आंचलिया, अजीज गोरी, निरंजन धानका, सुरेंद्र जांगिड़, मुकेश जोशी, जाकिर खोखर, गुरु धानका, मनोज दर्जी, जगदीश पिंगोलिया, पवन पुरोहित, प्रयाग पारीक, राम सिंह पूनियां, अश्विनी मकवाना, मनीष रिणवां, बजरंग मेघवाल, मनोहर सोनी, आराधना शर्मा, हंसराज प्रजापत, सत्यनारायण स्वामी, समेरमल धानका, विक्रम सैनी, संतोष सोनी, सोनू जांगिड़ आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बस्सी. क्षेत्र के शक्ति केंद्र बैनाड़ा में बूथ संख्या 25 पर भारतीय जनता पार्टी का 46वाँ स्थापना दिवस मनाया गया। भाजपा जिला महामंत्री एडवोकेट हरिमोहन शर्मा ने सभी कार्यकर्ताओं के साथ घर-घर झंडा लगाकर सेवा सप्ताह के रूप में मनाने पर जोर दिया। इस दौरान मण्डल अध्यक्ष श्रवणलाल मीना,शक्ति केंद्र प्रमुख सावरमल मीना,बुथ अध्यक्ष कालूराम मीना, मोती लाल सैन, किसान मोर्चा अध्यक्ष मण्डल रामगोपाल शर्मा, युवा मोर्चा महामंत्री सीताराम मीना,कल्याण गुरुजी सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

धौलपुर भाजपा जिला कार्यालय धौलपुर पर जिला अध्यक्ष सत्येंद्र पाराशर की अध्यक्षता में भाजपा का 46 वां स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया, सर्वप्रथम भाजपा के संस्थापक सदस्य डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय और भारत मां के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की , कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता बिसंबर दयाल शर्मा, विशिष्ट अतिथि धौलपुर भाजपा प्रत्याशी डॉ शिवचरण कुशवाह रहे, विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम के जिला संयोजक मुकेश हनुमानपुरा उपस्थित रहे, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष सत्येंद्र पाराशर ने बताया भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है , हम सबको बीजेपी जनसंघ के जो संस्थापक सदस्य हैं, उन सबसे प्रेरणा लेनी चाहिए हम सबको राष्ट्रप्रथम को मानते हुए आगे बढ़ना, मैं धौलपुर भाजपा के कार्यकर्ताओं को भाजपा के स्थापना दिवस के उपलक्ष में सभी को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं, साथ ही सभी को रामनवमी की हार्दिक बधाई शुभकामनाएं, मुख्य अतिथि शर्मा ने भाजपा के इतिहास विकास और पार्टी की रीति नीति के बारे में समस्त कार्यकर्ताओं को बताया, कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष धीरसिंह जादौन ने किया, अंत में कार्यक्रम में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं का कार्यक्रम सहसंयोजक रामकुमार कुशवाह ने धन्यवाद ज्ञापित किया , कार्यक्रम में उपस्थित जिला उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा, जिला मीडिया प्रभारी एडवोकेट राजू गुर्जर ,भाजपा नेता महाराज सिंह चाहर , कार्यालय प्रभारी बृजमोहन शर्मा, जिला संयोजक सोशल मीडिया ऋतिक वर्मा, सहसंयोजक लोकेंद्र चौहान, मंडल अध्यक्ष हेम सिंह बघेल, पूर्व मंडल अध्यक्ष विशाल सिंघल, मुस्ताक कुरैशी, मंडल महामंत्री अशोक पचौरी, फैजल खान, योगेश जादौन, विवेक रावत, रामकुमार गुर्जर, नवीन तिवारी, पार्षद सत्यप्रकाश शर्मा, चंद्रप्रकाश शर्मा, दुर्गेश श्रीवास्तव, महावीर गर्ग, आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

निरामय राजस्थान
सर्वे सन्तु निरामया

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

विश्व स्वास्थ्य दिवस
के अवसर पर

राज्य स्तरीय शुभारम्भ

निरामय राजस्थान अभियान

मुख्य अतिथि

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री आयुष्मान आदर्श ग्राम पंचायत योजना
- मिशन मधुहारी
- मिशन लिवर स्माइल
- हीमो डायलिसिस वार्ड
- MAA योजना की मोबाइल एप एवं आयुष पैकेज
- एआई आधारित एकीकृत मॉनिटरिंग सिस्टम
- 29 स्तनपान प्रबंधन इकाई
- ईट राइट राजस्थान अभियान
- 24 राम रथ (मोबाइल मेडिकल यूनिट)
- 10 एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस

राजस्थान संवाद

26 करोड़ की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण

अध्यक्षता

श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर
माननीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री

07 अप्रैल, 2025 | प्रात: 11 बजे | राजस्थान इन्टरनेशनल सेन्टर, जयपुर

NATIONAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
राजस्थान

आयुक्तालय खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग

fssai

चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं प.क. सेवाएं
राजस्थान

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।